www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
14 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 76 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई की मौत से गुस्साए ईरान की 'हिट लिस्ट' में ट्रंप

नेतन्याहू और स्टार्मर सहित 13 नेताओं के और नाम हैं शामिल

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान की जंग के बीच एक और घटनाक्रम इस समय चर्चा का विषय बन गया है। ईरान के एक अखबार ने सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने के लिए टारगेट किए जाने वाले लोगों की एक लिस्ट छापी है। इस लिस्ट में अमेरिका, इजरायल और यूरोपियन देशों के नेता शामिल हैं। इस अखबार में एक पोस्टर छापा

गया है, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें दिखाई गई हैं। यह लिस्ट ईरान की राजधानी में अधिकारियों द्वारा पब्लिश किए जाने वाले हमशहरी अखबार में छापी गई है। इस ग्राफिक के साथ अखबार ने हेडलाइन दी- अचानक मौत के लिए तैयार रहें। साथ ही मोजतबा खामेनेई का बयान भी छापा गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बदला हमारे देश की इच्छा है और इसे जरूर पूरा किया जाना चाहिए।

नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से हो

सुप्रीम फैसला, असम में विदेशी घोषित 27 लोगों को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित करने से जुड़े मामलों में गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने का फैसला निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने

मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का सवाल संविधान और कानून से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण विषय है। सभी मामले दोबारा सुनवाई के लिए फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल को भेज दिए गए है। इन लोगों को फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित किया था। उन्होंने इस फैसले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद सभी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की।

डीएमके को दुश्मन कहने वाले विजय से दोस्ती संभव नहीं

इंडिया गठबंधन पर स्टालिन के फैसले से कांग्रेस को झटका

चेन्नई (एजेंसी)। थलपति विजय की पार्टी टीवीके अगर इंडिया गठबंधन में शामिल होगी तो डीएमके विपक्षी दलों के गुट से बाहर हो जाएगा। डीएमके चीफ एम के स्टालिन ने बीजेपी विरोध के नाम पर सीएम विजय से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। डीएमके सांसद गणपति पी. राजकुमार ने कांग्रेस पर भी पीठ में छुरा भोंकने का आरोप लगाया। डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि सीएम विजय

बार-बार डीएमके को अपना दुश्मन बता चुके हैं, ऐसे में हम उनके साथ इंडिया गठबंधन में साथ कैसे हो सकते हैं। पार्टी ने साफ किया कि बीजेपी के विरोध के नाम पर तमिलनाडु में केरल और पश्चिम बंगाल वाला मॉडल नहीं चलेगा। पिछले दिनों डीएमके के सहयोगी रही पार्टी के नेता थिरुमावलवन ने इंडिया गठबंधन में टीवीके और डीएमके के साथ रहने की वकालत की थी। कांग्रेस सांसद जोतिमणि ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर गैर बीजेपी दलों की एकता को जरूरी बताया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीसीके ने कांग्रेस नेतृत्व के इशारे पर दोनों दलों को एक साथ इंडिया गठबंधन में आने का प्रस्ताव दिया था।

बदरीनाथ धाम चढ़ावा हेराफेरी मामला

आरोपी प्रमोद नौटियाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, गोपेश्वर ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार पुरसाड़ी भेज दिया। आरोपी को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं प्रभारी न्यायिक मजिस्ट्रेट, जोशीमठ हीना कौसर की अदालत में पेश किया गया। पुलिस की जांच टीम ने न्यायालय से कस्टडी रिमांड मांगी थी, लेकिन न्यायालय में मामले से संबंधित विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार पुरसाड़ी भेज दिया है। इससे पूर्व पुलिस टीम की ओर से आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर बदरीनाथ कोतवाली लाया गया।

यहां सीसीटीवी फुटेज में सामने आए अन्य कर्मचारियों से आरोपी कर्मचारी का आमना-सामना करवाया गया। जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और आरोपी के बयान दर्ज करवाए।

आरोपी कर्मचारी ने आरोपों को बताया निराधार

आरोपी बीकेटीसी कर्मचारी के पास से पुलिस टीम को शालिग्राम की एक मूर्ति और लेपटॉप मिला है। बताया जा रहा है कि लेपटॉप मंदिर समिति की ओर से उसे मिला था, जिसे बदरीनाथ थाने में जमा कर दिया गया है। इधर, पुलिस टीम की पूछताछ में आरोपी कर्मचारी ने उस पर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया है।

मैं बिहार आकर अपना सुदर्शन चक्र चलाऊंगा

वीणा मानवी को हिरासत में लेने पर भड़के तेज प्रताप

पटना (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में हर दिन एक नया और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिल रहा है। चुनावी सरगर्मियों के बीच, तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को नामांकन प्रक्रिया पूरी करते ही पुलिस ने कलेक्ट्रेट परिसर से हिरासत में ले लिया। इस हाई-प्रोफाइल ऐक्शन के बाद बिहार की राजनीति में उबाल आ गया है। फिलहाल दिल्ली में मौजूद पार्टी संरक्षक तेज प्रताप यादव ने इस पूरी कार्रवाई पर गंभीर आपत्ति जताई है।

नॉमिनेशन करते ही वीणा को पुलिस ने दबोचा

दरअसल, बांकीपुर विधानसभा में होने जा रहे उपचुनाव में लगातार कुछ न कुछ अलग देखने को मिल रहा है। पहले बीजेपी ने ऐन मौके पर अपना कैंडीडेट बदल दिया। अब तेज प्रताप यादव की पार्टी से चुनावी मैदान में उतरी वीणा मानवी को नामांकन के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया गया है। इस ऐक्शन के बाद भड़के तेज प्रताप यादव ने कोर्ट जाने की बात कही है।

ई 20 पेट्रोल से खराब हो रही गाड़ियों पर सरकार सख्त

- राज्यों को दिया मिलावटखोरों पर कड़ा ऐक्शन लेने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई 20 पेट्रोल इस समय देश में सबसे चर्चित मुद्दों में से एक बना हुआ है। सरकार इसको देशभर में लागू कर चुकी है। हालांकि, लोग शिकायत कर रहे हैं कि इससे

उनकी गाड़ियों में खराबी आ रही है, इंजन खराब हो रहा है और माइलेज कम हो रहा है। लोगों में ई 20 पेट्रोल की क्वालिटी और इंजन सुरक्षा को लेकर काफी चिंताएं देखी जा रही हैं। इस सबके बीच मोदी सरकार काफी सख्त है। केंद्र सरकार ने राज्यों को पेट्रोल में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

मिलावटखोरों से कड़ाई से निपटने का आदेश

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाल ही में एक नोट जारी किया था। मंत्रालय ने निर्देश जारी कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से कहा है कि ईंधन के रखरखाव या सप्लाई चेन में किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सख्त कार्रवाई - सरकार ने कहा है कि पेट्रोल में मिलावट के हर मामले से बेहद कड़ाई से निपटा जाए। क्वालिटी के साथ समझौता करने वालों पर जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। जानकारी-हालांकि, मंत्रालय ने यह साफ नहीं किया है कि अभी तक कहीं बड़े पैमाने पर पेट्रोल में मिलावट पकड़ी गई है।

ज्ञानवापी, मथुरा और संभल

● *हिंदू-मुस्लिम दोनों पक्षों की 'ना', जारी रहेगी सुनवाई*

कोर्ट की मध्यस्थता की पहल हुई विफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में राम मंदिर का मुद्दा सुलझने के बाद, मंदिरों से जुड़े तीन और बड़े विवाद चर्चा में हैं। इनमें सबसे चर्चित मंदिर-मस्जिद विवाद वाराणसी का ज्ञानवापी, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद का विवाद शामिल हैं। हालांकि इनकी गंभीरता देखते हुए सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने इन मामलों में सहमति आधारित समाधान तलाशने के उद्देश्य से पक्षकारों को मध्यस्थता यानी मेडियेशन प्रक्रिया में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन यह परवान नहीं चढ़ सका। हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने इस पहल को अस्वीकार करते हुए मंशा जाहिर की है कि वे विवाद का समाधान केवल न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी फैसले के माध्यम से चाहते हैं। ऐसे में अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की आगामी सुनवाई और उसके निर्णय पर टिक गई हैं। इस मामले का फैसला अदालत के माध्यम से ही संभव है।

- **नहीं बन पाई बात, दोनों पक्षों ने ठुकराया-** देश में चल रहे तीन अन्य प्रमुख विवाद जिनमें वाराणसी का ज्ञानवापी, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद का विवाद शामिल हैं, लगता है सुप्रीम कोर्ट की प्राथमिकता सूची में हैं। इन विवादों को जल्द सुलझाने की उम्मीद के साथ सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने समाधान समारोह 2026 के तहत सहमति आधारित विवाद निपटारे की पहल की थी।

तीनों मंदिर विवादों का कानूनी आधार और वर्तमान स्थिति

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद का निर्माण प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर के अवशेषों पर हुआ था, जबकि मुस्लिम पक्ष इन दावों का विरोध करता है और प्लेस ऑफ वारशिप 1991 का हवाला। मथुरा विवाद में हिंदू पक्ष शाही ईदगाह परिसर को भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि का हिस्सा बताता है और 1968 के समझौते की वैधता पर प्रश्न उठाता है। संभल में हिंदू पक्ष के अनुसार प्राचीन हरिहर मंदिर (श्री हरि मंदिर) को तोड़कर संभल की शाही जामा मस्जिद बनाई गई थी।

गो हत्या बैन के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, कहा

इसमें सुधार की जरूरत, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था-ये इस्लाम में जरूरी प्रथा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को बकरीद या किसी भी दिन राज्य में गाय-बछड़ों के वध पर रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश में सुधार की जरूरत है। राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के 27 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

याचिका में कहा गया कि जब कानून तय श्रेणी की गायों के वध की अनुमति देता है, और उसके लिए निर्धारित स्थान भी तय हैं, तब अदालत का ऐसा निर्देश कानून के प्रावधानों के विपरीत है। इसे कायम नहीं रखा जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने आज इस मामले में नोटिस जारी किया और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

- **हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 48 का हवाला दिया था-** हाईकोर्ट ने कहा था कि संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य सरकार को गाय, बछड़ों और दुधारू-पशुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का निर्देश देता है। कोर्ट ने तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट, 1958 की धारा-4 का उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि 10 साल से ज्यादा उम्र और प्रजनन के अयोग्य पशु को ही प्रमाणपत्र मिलने के बाद काटा जा सकता है। अदालत ने कहा कि इस प्रावधान की सख्ती से व्याख्या होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी पशु की कुर्बानी दी जाती है तो वह केवल निर्धारित जगहों पर ही होनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर ऐसा नहीं किया जा सकता।

90 की उम्र में जमीन के लिए संघर्ष कर रहे चुन्नीलाल!

- देश के लिए तीन जंग लड़ने वाले पूर्व सैनिक से हो गई धोखाधड़ी

जैसलमेर (एजेंसी)। जिस योद्धा ने 1962 में चीन और 1965 व 1971 में पाकिस्तान के दांत खट्टे किए, वह आज अपनी ही जमीन को बचाने के लिए 90 साल की उम्र में लाठी टेकते हुए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। 1962, 1965 और 1971 के ऐतिहासिक युद्धों के गवाह रहे हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा निवासी कैप्टन चुन्नीलाल के साथ जैसलमेर में जो हुआ, उसने सीमावर्ती इलाके में चल रहे एक बहुत बड़े और संगठित लैंड स्कैम की पोल खोल दी है। कैप्टन चुन्नीलाल को पोंग बांध विस्थापित होने के नाते मोहनगढ़ क्षेत्र में सरकार ने एक कृषि भूमि आवंटित की थी। वे यहां बटाई पर खेती करवाते थे।

- **जैसलमेर में दर्जनों विस्थापित सैनिक अपनी जमीनें गंवा चुके-** जैसलमेर सैनिक विश्राम गृह के प्रभारी लालाराम के बयानों से इस रैकेट का एक नया पैटर्न सामने आया है। दरअसल, हिमाचल प्रदेश या अन्य राज्यों में बैठे पूर्व सैनिक साल में सिर्फ एक या दो बार ही अपनी जमीन देखने जैसलमेर आ पाते हैं। भू-माफियाओं के पास इन बाहरी लोगों की पूरी लिस्ट और डेटा है। वे चुन-चुनकर ऐसे बुजुर्गों को निशाना बना रहे हैं जो शारीरिक या भौगोलिक रूप से दूर हैं। कैप्टन चुन्नीलाल का मामला तो सिर्फ बानगी है।

7 दिन में फिर से 'रफ्तार' पकड़ेगा मानसून

● अभी राजस्थान-गुजरात समेत कई राज्यों में कमजोर ● यूपी-बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है। **राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून-** राजस्थान में मानसून का पहला दौर थमने के बाद अब बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले करीब एक हफ्ते तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बारिश की संभावना कम है। जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश इलाकों में मौसम ड्राइ रहेगा। हालांकि, 14 और 15 जुलाई को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और आसपास के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान में भी अगले 5-6 दिनों तक मौसम ज्यादातर साफ रहने का अनुमान है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। 2 नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हैं। स्यानाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे रविवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। हरियाणा में हिमाचल से आ रहे पानी के कारण यमुना और मारकंडा नदी में पानी बढ़ गया है। इससे कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। दिल्ली में बारिश से यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार को यमुना नदी में नहाने गए 4 बच्चे तेज बहाव में बह गए।

गड्ढों में तब्दील हुई थत्यूड़–अग्यारना सड़क

थत्यूड़ (टिहरी)। विकासखंड मुख्यालय थत्यूड़ को कैंपटी से जोड़ने वाला थत्यूड़–अग्यारना मोटर मार्ग सुविधा कम स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत अधिक बन गया। सड़क जगह–जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है। गड्ढों में बारिश का पानी भरने से सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पा रहा जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

थत्यूड़–अग्यारना लगभग सात किमी लंबे इस सड़क से क्षेत्र के लोग विकासखंड मुख्यालय, बाजार, विद्यालय, अस्पताल और अन्य सरकारी कार्यालयों तक पहुंचते हैं लेकिन लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण सफर करना चुनौती बनता जा रहा है। इन दिनों हो रही बारिश से सड़क के हालात और अधिक खराब हो गए हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भरने से वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का पता नहीं चल पा रहा है जिससे दोपहिया और छोटे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना है। ग्राम प्रधान मोनिका नकोटी, संजय पड़ियार का कहना है कि मार्ग क्षेत्र की जीवनरेखा है लेकिन इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। बरसात में सड़क पर चलना जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने लोनिवि से शीघ्र डामरीकरण और चौड़ीकरण कर लोगों को राहत देने की मांग की। कृपाल सिंह रावत, जयप्रकाश नौटियाल व अरविंद नौटियाल का कहना है कि मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवाजाही करते हैं लेकिन सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

नंदानगर में राम मंदिर निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

नंदानगर। नगर पंचायत के कुमारतोली वार्ड एक में सोमवार को राम मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन किया गया। मंदिर निर्माण के लिए स्थानीय रतूड़ी परिवार ने भूमि दान में दी है। बताया गया कि यहां स्थित भगवान राम का प्राचीन मंदिर कुछ वर्ष पहले जर्जर हो गया था जिसके बाद नए मंदिर निर्माण की मांग लंबे समय से उठ रही थी। भूमि उपलब्ध होने पर स्थानीय लोगों ने मंदिर का भव्य निर्माण कराने का संकल्प लिया। पंडित हरिकृष्ण रतूड़ी के नेतृत्व में भूमि पूजन हुआ। इस मौके पर कै. भागवत सिंह बिष्ट, सुखबीर सिंह रौतेला, सूबेदार मेजर कर्ण सिंह बिष्ट, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर धनेत्र सिंह, तारा सिंह, महेशानंद रतूड़ी और हरिकृष्ण रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

घट्टीगोला पुल के पास सड़क सुधारीकरण के दौरान गिरा मलबा, दो श्रमिक दबे

देहरादून , गढ़ी कैंट के घट्टीगोला पुल के पास सोमवार को मोटर मार्ग के सुधारीकरण कार्य के दौरान अचानक से ढांग गिर गई। इस दौरान मलबा गिरने से यहां कार्यरत दो श्रमिक कविकांत और जोगिन्दर मलबे में दब गए। दोनों श्रमिकों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकालकर तत्काल उपचार के लिए दून अस्पताल भेजा गया। मंत्री ने चिकित्सकों को दोनों श्रमिकों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक नजर

हिरासत में था चालक, फिर भी पुलिस ने अज्ञात पर ठोका केस

हल्द्वानी। गौलापार–तीनपानी फ्लाईओवर पर हुए भीषण सड़क हादसे ने जहां चार परिवारों के चिराग बुझा दिए, वहीं इस मामले में नैनीताल पुलिस की कार्यप्रणाली हैरान करने वाली रही। हादसे के कुछ देर बाद ही ही स्कॉर्पियो चालक समेत दो लोगों को हिरासत में ले लिया था पर आंखों पर पट्टी बांध चुकी पुलिस ने 24 घंटे बाद भी अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हादसे में जान गंवाने वाले अंशु आर्या के मामा विशाल ने खुद को घटना का चश्मदीद बताते हुए हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दी। विशाल के मौके पर मौजूद होने के बावजूद पुलिस का यह दावा कि उसे चालक का पता नहीं है। विशाल के अनुसार, हादसे के बाद चालक को पकड़कर उन्होंने खुद पुलिस को सौंपा था। सूत्रों और चर्चाओं के मुताबिक फुटपाथ पर युवाओं को कुचलने वाली स्कॉर्पियो चालक पहदान खान बताया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस लग्जरी कार की पिछली सीट पर ज्योलीकोट नैंसी कॉन्वेंट के डॉ. संजय सिंह सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद पुलिस ने चालक और डॉ. संजय सिंह को हिरासत ले लिया था। ज्योलीकोट स्थित कॉलेज का प्रबंधन इस वाहन का उपयोग करता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है क्या 24 घंटे का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस को यह नहीं पता चल पाया कि गाड़ी कौन चला रहा था? या फिर पीछे बैठे रसूखदार के दबाव में नैनीताल पुलिस नतमस्तक हो चुकी है।

गौलापार–तीनपानी फ्लाईओवर पर हुए भीषण हादसे में चार युवाओं की मौत के 24 घंटे बाद भी घटना के पुख्ता साक्ष्य नहीं मिल पाए हैं। रविवार को पुलिस की मौजूदगी में मोर्चरी में शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। प्रक्रिया में करीब चार घंटे लगे। मामले में तहरीर मिलने के बाद हल्द्वानी कोतवाली में अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

विधायक ने 600 लाइट देने की घोषणा की

ऋषिकेश। कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में पथ प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 600 स्ट्रीट लाइट विधायक निधि से देने की घोषणा की। विधायक ने बताया कि यह लाइटें विभिन्न जनप्रतिनिधियों के माध्यम से क्षेत्र में स्थापित की जाएंगी, जिससे गांवों में रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। जिला पंचायत सदस्य को 10 लाइट, प्रत्येक ग्राम प्रधान को 20 लाइट, क्षेत्र पंचायत सदस्य को 10 लाइट और पंचायत सदस्य को 5 लाइट प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था से न केवल लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इस अवसर पर दिव्या बेलवाल, सागर गिरी, राजेश जुगलान, शैलेंद्र रांगड़, ज्योति सेमवाल, सविता नेगी, नवीन लाल आदि उपस्थित रहे।

भूमि संरक्षण वन प्रभाग की नर्सरियां होंगी हाईटेक

रामनगर। अतिरिक्त भूमि संरक्षण वन प्रभाग की नर्सरियों को हाईटेक किया जाएगा। इसमें मोहन, किनात, सल्ट महादेव और गौड़िया पुल शामिल हैं। नर्सरियों में बेहतर सिंचाई व्यवस्था, उन्नत पॉलीहाउस बनाने के साथ बीज अंकुरण इकाइयों में आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार की जा सकेगी। इसका लाभ वन विभाग के पौधरोपण अभियानों के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने की योजनाओं को मिलेगा। डीएफओ मनीष जोशी ने बताया कि चारों नर्सरियों के उच्चीकरण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलने के बाद पौधों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के कार्य कराए जाएंगे।

जंगली जानवरों से लोग परेशान

पोखरी (चमोली)। विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बंदर, लंगूर और जंगली सुअरों के उत्पात से किसान परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये वन्यजीव उनकी फसलों को नष्ट कर रहे हैं। साथ ही बंदर और लंगूर लोगों पर हमला कर रहे हैं। घरों में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं जिससे क्षेत्र में भय का माहौल है। प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष तेजपाल सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य बीरेंद्र सिंह राणा और किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी समेत कई जनप्रतिनिधियों ने केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन भेजकर वन्यजीवों से राहत दिलाने और फसलों के नुकसान का मुआवजा देने की मांग की।

चार्टन लॉज भूस्खलन क्षेत्र के उपचार के लिए नैनीताल पहुंची मशीनें

नैनीताल। मल्लीताल के चार्टन लॉज भूस्खलन क्षेत्र के स्थायी उपचार के लिए मशीनें नैनीताल पहुंच गई हैं। कार्यदायी संस्था एमएफबी जियोटेक प्राइवेट लिमिटेड कार्य कर रही है।

तीन वर्ष पूर्व सितंबर 2023 में चार्टन लॉज क्षेत्र में हुए भूस्खलन से आवासीय भवन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। वहीं खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने 22 भवनों में रहने वाले 24 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया था। तत्काल राहत के तौर पर पहाड़ी पर जीआई बैग की अस्थायी सुरक्षा दीवार बनाई गई थी लेकिन स्थायी उपचार का इंतजार बना हुआ था। इसके बाद उत्तराखंड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर (यूएलएमएमसी) ने क्षेत्र का विस्तृत भू–वैज्ञानिक और स्थलीय सर्वे कर लगभग 6.99 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार की।

ग्रेड पे की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों का पुलिस मुख्यालय कूच

देहरादून , जन अधिकार पार्टी ने आज ग्रेड पे की मांग को लेकर उत्तराखंड पुलिस जवानों के समर्थन में पुलिस मुख्यालय मार्च किया। परेड ग्राउंड से आयोजित पुलिस अधिकार मार्च को पुलिस को सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों और पुलिस कर्मियों के परिजनों को पुलिस ने रोक दिया। वहीं, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई।

अब व्हाट्सएप से भी मिल सकेंगे उत्तराखंड रोडवेज बस के टिकट

देहरादून। रोडवेज बसों के टिकट व्हाट्सएप के माध्यम से भी मिल सकेंगे। परिवहन निगम प्रबंधन मेट्रो की तर्ज पर यह सुविधा शुरू करने की तैयारी कर रहा है।प्रदेश में परिवहन निगम की बसों में प्रतिदिन औसतन 90 हजार यात्री सफर करते हैं। रोडवेज बसों में टिकट प्राप्त करने के दो साधन हैं।
इसमें एक ऑनलाइन टिकट बुक होता है और दूसरा बस में कंडक्टर टिकट देते हैं। अब परिवहन निगम ने एनआईसी के सहयोग से यात्रियों को मेट्रो की तर्ज पर व्हाट्सएप के माध्यम से भी टिकट बुक करने की सुविधा देने की योजना बनाई है। रोडवेज महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह बताते हैं कि परिवहन निगम व्हाट्सएप नंबर जारी करेगा।
इस नंबर पर संदेश भेजते ही यात्रा संबंधी जानकारी भरने का विकल्प आएगा। इसके बाद किराया भुगतान के लिए क्यूआर कोड उपलब्ध होगा।
क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान करने पर यात्री के व्हाट्सएप पर एक क्यूआर आधारित ई–टिकट भेज दिया जाएगा।

एलटी शिक्षकों की वरिष्ठता 20 साल बाद होगी संशोधित

देहरादून। प्रदेश में सहायक अध्यापक एलटी शिक्षकों की वरिष्ठता 20 साल बाद संशोधित होगी। शिक्षा निदेशालय ने लोक सेवा प्राधिकरण के एक फैसले के बाद वर्ष 1992 से 1996 की एलटी की अनंतिम वरिष्ठता सूची को अंतिम रूप से तैयार करने के निर्देश दिए हैं। फैसले से आयोग से चयनित कई शिक्षक वरिष्ठ हो जाएंगे। वहीं, करीब चार हजार शिक्षकों की वरिष्ठता इससे प्रभावित होगी। जो वरिष्ठता सूची में कनिष्ठ हो जाएंगे।सहायक अध्यापक एलटी की वरिष्ठता सूची को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी निर्देश में कहा, उत्तराखंड अधीनस्थ शिक्षा सेवा वर्ष 1992 से 1996 तक मौलिक रूप से नियुक्त, पदोन्नत अनंतिम ज्येष्ठता सूची लोक सेवा प्राधिकरण से निष्पादन याचिका रुपचंद लखेड़ा व तीन अन्य निर्देश याचिकाओं में पारित निर्णय पांच जनवरी 2023 के अनुपालन में तैयार कर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में प्रेमलता बौडाई व अन्य आठ याचिकाओं में अंतिम रूप से निर्णय पारित करते हुए याचिकाओं को खारिज किया जा चुका है।

अब वर्ष 1992 से 1996 की एलटी की अनंतिम वरिष्ठता सूची को अंतिम रूप से तैयार किया जाना है। अपर शिक्षा निदेशक गढ़वाल व कुमाऊं मंडल अंतिम ज्येष्ठता सूची तैयार कर निदेशालय को उपलब्ध कराए।

पशुलोक बैराज के पास गंगा के तेज बहाव में बालक बहा

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के नजदीक पशुलोक बैराज स्थित ओमघाट पर एक बालक गंगा में डूब गया। बालक की तलाश जारी है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। एसडीआरएफ निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि ऋषिकेश कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एम्स ऋषिकेश के समीप पुशलोक बैराज स्थित ओम घाट पर गंगा नदी में स्नान के दौरान एक बालक तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ ढालवाला की टीम मौके पर पहुंची।

प्रदेश में ऋषिकेश–यमुनोत्री हाईवे सहित 100 सड़कें बंद

देहरादून ,प्रदेश में बारिश के बाद सड़कों पर जगह–जगह पत्थर गिरने व मलबा आने से 100 सड़के बंद हैं। इसमें अधिकतर सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों की हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून में 10 ग्रामीण मार्ग बंद हैं। बंद रास्तों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। अल्मोड़ा में पांच, रुद्रप्रयाग में चार, चमोली में 12, पिथौरागढ़ में 14 सड़कें बंद हैं। नैनीताल में हल्द्वानी–भवाली–अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामगढ़ पुल के पास मार्ग धसने से भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। इस जिले में दो ग्रामीण सड़कें भी बंद हैं। उत्तरकाशी में ऋषिकेश–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्यानाचट्टी के पास बंद हैं। इस जिले में 10 ग्रामीण मार्ग भी मलबा आने से बंद हैं। इसके अलावा टिहरी जिले के नौ ग्रामीण मार्गों पर भी जगह–जगह मलबा आ गया है। जिससे मार्ग बंद हैं।

बारिश थमी तो मैदान से पहाड़ तक चढ़ा पारा

बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश का सिलसिला रविवार को थमा तो गर्मी का एहसास हुआ।

खासकर मैदानी इलाकों में दिन के समय उसम भरी गर्मी ने परेशान किया। वहीं, बारिश न होने की वजह से मैदान से लेकर पहाड़ तक तापमान में इजाफा दर्ज किया गया।

उधर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से सोमवार को प्रदेश के पर्वतीय जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है।

लखवाड़ बांध परियोजना निर्माण स्थल पर अचानक गिरा भारी मलबा

देहरादून , लखवाड़ बांध परियोजना के निर्माण स्थल पर अचानक मलबा और पत्थर गिरने से एक जेसीबी और डंपर क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि हादसे के समय चालक और श्रमिक मौजूद नहीं थे। घटना शनिवार की रात 10 के करीब हुई। लखवाड़ बांध परियोजना के निर्माण स्थल पर रात दस बजे अचानक से भारी–भरकम पत्थर गिरने लगे। इस दौरान पहाड़ी के नीचे सटाकर पार्क किए गए जेसीबी और एक डंपर क्षतिग्रस्त हो गए। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही निर्माण एजेंसी से संबंधित अधिकारी–कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षतिग्रस्त डंपर व जेसीबी पर गिरे मलबे को हटाना शुरू किया। पत्थर व मलबा गिरने की घटना रात में घटने के कारण बड़ा हादसा टल गया। अन्यथा निर्माण स्थल पर कार्य करने वाले श्रमिक, अधिकारी–कर्मचारी व वाहन चालक भी चपेट में आ सकते थे। लखवाड़ बांध परियोजना का निर्माण करा रही एलएनटी के महाप्रबंधक एपी सिंह ने बताया कि भारी वर्षा की चेतावनी के चलते कार्य बंद था। इस कारण कोई भी श्रमिक व अधिकारी–कर्मचारी निर्माण स्थल पर मौजूद नहीं था। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को मलबे से निकाल लिया गया है।

तीन दिन पहले मलबे से बाल–बाल बचा था चालक

लखवाड़ बांध परियोजना के निर्माण स्थल पर बृहस्पतिवार को भी अचानक से भारी मलबा गिरा था। इस दौरान एक जेसीबी मौके पर मौजूद थी जिसके चालक ने जेसीबी से कूदकर और दूसरी दिशा की ओर भागते हुए बमुश्किल जान बचाई थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वॉयरल हुआ था।

लंबित मांगों का निस्तारण नहीं होने पर भड़के शिक्षक

नई टिहरी। उत्तराखंड जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ ने विभिन्न लंबित मांगों के निस्तारण की मांग को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक के कार्यालय परिसर में धरना देकर प्रदर्शन किया। 14 सूत्री मांगों का निराकरण न होने के विरोध में शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी की। मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई न होने से डीईओ बेसिक के कार्यालय में तालाबंदी करने की चेतावनी दी। सोमवार को संगठन से जुड़े शिक्षक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डीईओ बेसिक के कार्यालय परिसर में पहुंचे। शिक्षकों ने चयन एवं पदोन्नति के अवशेष देयकों का भुगतान न होने, वरिष्ठ–कनिष्ठ वेतन निर्धारण न होने पर रोष जताते हुए नारेबाजी की ओर वहां धरने पर बैठ गए। धरना स्थल पर हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों के लंबित भुगतान करने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, जीपीएफ प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण, उच्चीकृत विद्यालयों में शिक्षकों के समायोजन की मांग लंबे समय से की जा रही है,

पीएम श्री जीआईसी चंपावत बना शत–प्रतिशत शिक्षकों वाला विद्यालय

चंपावत। नगर स्थित पीएम श्री अटल उत्कृष्ट शहीद राहुल रैंसवाल राजकीय इंटर कॉलेज में दो वर्ष से रिक्त चल रहे संस्कृत शिक्षक के पद पर नियुक्ति होने से छात्र–छात्राओं और विद्यालय प्रशासन ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से संस्कृत विषय के शिक्षक के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बता दें कि जिले में एकमात्र पीएम श्री विद्यालय में सबसे अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय प्रबंधन लगातार शिक्षा विभाग को पत्राचार कर रिक्त पद को प्राथमिकता के आधार पर भरने की मांग कर रहा था। विभाग ने मांग को गंभीरता से लेते हुए शिक्षक प्रशांत तिवारी की विद्यालय में तैनाती कर दी है। संस्कृत शिक्षक की नियुक्ति के बाद अब विद्यार्थियों को नियमित रूप से विषय का अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी भी बेहतर ढंग से हो सकेगी। प्रधानाचार्य उमेद सिंह बिष्ट का कहना है कि शिक्षक की तैनाती से शैक्षणिक व्यवस्था और मजबूत होगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा।

कांग्रेस के चुनावी तरकश में होंगे पेपर लीक और मंदिरों में चढ़ावा चोरी के मुद्दे

देहरादून , आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को घेरने के लिए कांग्रेस ने चुनावी तरकश में पेपर लीक, मंदिरों में चढ़ावा चोरी के बाण सजा दिए हैं। अब पार्टी ने मुद्दों को धार देकर जनता के बीच जाने की रणनीति बनाई है। राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 2027 के चुनाव के लिए पेपर लीक और मंदिरों में चढ़ावा चोरी को बड़ा मुद्दा बनाने के लिए संकेत दिए हैं। इसके अलावा बेरोजगारी, रोजगार के लिए युवाओं का पलायन, महिलाओं की सुरक्षा और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भी भाजपा को घेरने की रणनीति तैयार की है। कांग्रेस का मानना है कि ये मुद्दे आम जनता से सीधे जुड़े हैं। इन मुद्दों को उठाकर जनता के बीच जाएगी। पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के दिशानिर्देश दिए जेईई, सीबीएसई पेपर लीक प्रकरण पर पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की गूंज कार्यक्रम चलाया गया है। इसकी शुरूआत कोटा में युवाओं के साथ संवाद से किया। अब पेपर लीक मुद्दे को धार देने के लिए राहुल गांधी उत्तराखंड आ रहे हैं। उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को कांग्रेस मुद्दा बनाएगी।

उत्तराखंड में सत्ता वापसी के लिए सक्रिय है राष्ट्रीय नेतृत्व

उत्तराखंड की सियासत में सत्ता का सूखा खत्म करने के लिए कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व काफी सक्रिय है। 2017 व 2022 के चुनाव में मिली करारी हार बदला लेने के लिए प्रदेश नेताओं के साथ पार्टी के शीर्ष नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। राष्ट्रीय स्तर के नेता पार्टी की रणनीति को धार देने व कार्यकर्ताओं को जोशी भरने के लिए उत्तराखंड पहुंच रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

छात्र नेताओं ने किया कुलसचिव का घेराव, सीबीआई जांच की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर सोमवार को छात्र नेताओं ने कुलसचिव का घेराव किया। उन्होंने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अब तक हुई सभी पीएचडी में प्रवेश व नियुक्तियों की सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई। अब मंगलवार को होने वाली बैठक में मांगों पर लिया जाएगा निर्णय।

छात्र नेताओं ने कहा कि रविवार को हुई विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा सवालों के घेरे में आई है। परीक्षा के दौरान जैमर व सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद बिजली गुल होना और इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से पारदर्शी परीक्षा को लेकर संशय है। साथ ही परीक्षा हॉल में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था। बावजूद आब्जर्वर व अन्य शिक्षकों के पास मोबाइल थे। उन्होंने इस मामले में उपजे विवाद में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि विवि में अब तक हुए पीएचडी में प्रवेश और सभी नियुक्तियों की भी सीबीआई से जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने भविष्य में पीएचडी प्रवेश केवल मेरिट के आधार पर करने, प्रवेश परीक्षा से नेगेटिव मार्किंग समाप्त करने, प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कुलसचिव पर कुलपति से फोन पर वार्ता कर मांगों पर लिखित आश्वासन देने का दबाव भी बनाया। कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने कुलपति से वार्ता के बाद छात्रों को पीएचडी प्रवेश परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों की सीबीआई जांच का आश्वासन दिया, लेकिन छात्र लिखित आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे। बाद में मंगलवार को कुलपति के साथ इस मामले में बैठक किए जाने की बात पर छात्र नेता शांत हुए। इस मौके पर छात्र संघ महासचिव अनुरोध पुरोहित, देवकांत देवराड़ी, आयुष कंडारी, रामप्रकाश, वीरेंद्र बिष्ट, हिमांशु भंडारी, अभिषेक घिल्डियाल, आयुष कंडारी, पुलकित अग्रवाल, आर्यन के प्रदेश अध्यक्ष संजय बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

शिक्षकों को उनके अधिकार के अनुरूप वरिष्ठता देने की प्रक्रिया शुरु

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से वर्ष 1994 में चयनित सहायक अध्यापक (एलटी) शिक्षकों को उनके अधिकार के अनुरूप वरिष्ठता देने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। शासन ने मंडलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल को वर्ष 1992 से 1996 तक के एलटी शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची तैयार करने के निर्देश जारी किए हैं। मामले में कोटद्वार के शिक्षक रूप चंद्र लखेड़ा की ओर से न्यायालय में याचिका दायर की गई थी।

लंबे समय से लंबित इस मामले में न्यायालय के निर्देशों के बाद विभाग ने वरिष्ठता निर्धारण की प्रक्रिया तेज कर दी है। शिक्षक रूप चंद्र लखेड़ा ने बताया कि विवाद की जड़ वर्ष 2005 में सीटी संवर्ग के शिक्षकों का एलटी संवर्ग में समायोजन था। उस समय नियमों के विपरीत मात्र पांच वर्ष की सेवा पूरी होने पर ही सीटी शिक्षकों को एलटी संवर्ग में समायोजित कर वरिष्ठता का लाभ दे दिया गया, जबकि नियमानुसार इसके लिए 10 वर्ष की सेवा आवश्यक थी। इससे आयोग से चयनित एलटी शिक्षकों की वरिष्ठता प्रभावित हुई और वे वर्षों तक पदोन्नति से वंचित रहे। इस प्रकरण से जुड़े तदर्थ शिक्षकों के मामले में 7 जुलाई 2026 को उच्च न्यायालय ने अंतिम निर्णय सुनाया था। शिक्षक संगठनों और प्रभावित शिक्षकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है।

डीडीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई पर डीएम सख्त, सहायक अभियंता तलब

गोपेश्वर। नगर क्षेत्र में जिला विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से निर्माण कार्यों के खिलाफ की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कड़ी नाराजगी जताई। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में उन्होंने प्राधिकरण के सहायक अभियंता अभिषेक सिंह को तलब कर जवाब मांगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी निर्माणाधीन भवन को नोटिस जारी करने के तुरंत बाद सील न किया जाए। ऐसे मामलों को पहले उनके संज्ञान में लाया जाए और स्थलीय परीक्षण के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राधिकरण की ओर से लोगों को बिना पर्याप्त परीक्षण के बड़ी संख्या में नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जताई कि कई मामलों में उनके निरीक्षण और परीक्षण के निर्देशों की अनदेखी करते हुए निर्माण कार्यों को सील कर दिया गया। इसे उन्होंने आदेशों की अवहेलना बताया। उधर डीडीए की कार्रवाई से प्रभावित लोगों में भी आक्रोश बढ़ रहा है। प्राधिकरण की ओर से गोपेश्वर व आसपास के नगर क्षेत्र में करीब 100 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं जबकि तहसील प्रशासन ने 10 से अधिक निर्माणाधीन भवनों को सील कर दिया है। प्रभावित लोगों ने 15 जुलाई को गोपेश्वर दौरे पर आ रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष यह मामला उठाने का निर्णय लिया है। साथ ही गोपेश्वर को जिला विकास प्राधिकरण के दायरे से मुक्त करने की मांग के लिए प्रदर्शन भी किया जाएगा।

एक साल से खतरे की जद में मंजकोट इंटर कॉलेज का भवन

कंडीसौड़ (टिहरी)। राजकीय इंटर कॉलेज मंजकोट में अतिवृष्टि के दौरान पिछले साल गिरी पीएमजीएसवाई सड़क की सुरक्षा दीवार का मलबा नहीं हट पाया। विद्यालय भवन के ऊपर सुरक्षा दीवार का शेष हिस्सा लटका होने से भवन को खतरा बना हुआ है। इस मामले में धनोल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने डीएम को पत्र भेजकर एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने डीएम को संबंधित विभाग को तत्काल मलबा हटाने और सुरक्षा दीवार का पुनर्निर्माण कराने के निर्देश देने को कहा है। पत्र में विधायक ने कहा है कि विकासखंड थौलधार के राजकीय इंटर कॉलेज मंजकोट में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत मैंडखाल–गैर मोटर मार्ग की सुरक्षा दीवार 14 अगस्त 2025 को आंशिक रूप से विद्यालय भवन पर गिर गई थी। इस घटना में विद्यालय के दो कक्षा–कक्ष, कार्यालय कक्ष और वर्चुअल लैब क्षतिग्रस्त हो गए थे। विद्यालय प्रशासन ने इसकी सूचना जिला प्रशासन और संबंधित विभाग को दी थी लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो मलबा हटाया गया और न ही सुरक्षा दीवार का पुनर्निर्माण किया गया।

शिविर में 115 लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया

पोखरी (चमोली)। जीआईसी पोगठा में सोमवार को जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 300 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया जिनमें से 115 लोगों को विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। पोगठा एवं आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने योजनाओं की जानकारी लेने के साथ ही अपनी समस्याएं रखीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा ने की। एसडीएम अलकेश नौटियाल ने शिविर के उद्देश्य बताए।

सिम्मलचौड़ की खाली भूमि जनहित के लिए आवंटित करने की मांग

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते वार्डवासी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सिम्मलचौड़ के स्थानीय लोगों ने वार्ड में स्थित खाली पड़ी सरकारी भूमि को जनहित के कार्यों के लिए आवंटित किए जाने की मांग उठाई है। कहा कि शासन-प्रशासन को इस संबंध में गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

इस संबंध में पार्षद मनोज शाह के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि सिम्मलचौड़ में जिस स्थान पर वर्तमान में संडे मार्केट संचालित होती है, वह भूमि वर्ष 2023-24 में आयकर विभाग को आवंटित की गई थी। हालांकि, आवंटन के बाद अब तक वहां कोई कार्यालय अथवा अन्य निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है, जिससे भूमि लंबे समय से खाली पड़ी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नियमानुसार यदि आवंटित भूमि पर निर्धारित अवधि तक निर्माण कार्य नहीं होता है, तो वह भूमि पुनः राजस्व विभाग में निहित हो जाती है। ऐसे में उक्त भूमि को न्यू आदर्श रामलीला कमेटी एवं सामाजिक उत्थान समिति के नाम आवंटित किया जाए, ताकि उसका उपयोग सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य जनहित के कार्यों के लिए किया जा सके। ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद मनोज शाह के अलावा विजय सिंह, राजेंद्र कुमार, सयन सिंह रावत, गुलाब सिंह बिष्ट, आनंद सिंह, संतोष ध्यानी, जितेंद्र कुमार, वीना देवी, आनंदी देवी, गणेशी देवी और दीपा देवी शामिल रहे।

डीसीडीएफ संचालक पदों लिए शांतिपूर्ण मतदान, शोभा बहुगुणा, राजेन्द्र जखमोला बनें निदेशक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला सहकारी विकास संघ (डीसीडीएफ) के संचालक मंडल के पदों के लिए सोमवार को शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। चुनाव में 212 मतों से निदेशक के पद पर शोभा बहुगुणा और राजेन्द्र जखमोला 256 मतों से विजयी रहे। बद्रीनाथ मार्ग स्थित डीसीडीएफ कार्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र पर सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ। मतदाता निर्धारित समय पर पहुंचकर शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करते रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी सोमनाथ गर्ग ने बताया कि दो संचालक पदों के लिए चुनाव कराया जा रहा है। इनमें महिला वर्ग से तीन और पुरुष वर्ग से चार प्रत्याशी मैदान में थे। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में कुल 1,249 मतदाता पंजीकृत हैं। दोपहर तीन बजे तक 495 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। मतदान शाम चार बजे तक चला, जिसके बाद मतगणना शुरू की गई। मतगणना पूरी होने के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

जिला अस्पताल में रेडक्रॉस जेनेरिक मेडिकल स्टोर का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ी : जनसामान्य को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को जिला चिकित्सालय पौड़ी में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा पौड़ी गढ़वाल द्वारा संचालित रेडक्रॉस जेनेरिक मेडिकल स्टोर का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल. डी. सेमवाल एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनय कुमार त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जेनेरिक दवाइयां आमजन को कम लागत पर उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रेडक्रॉस द्वारा संचालित यह मेडिकल स्टोर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उचित एवं किफायती दरों पर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने कहा कि जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आते हैं। ऐसे में रेडक्रॉस जेनेरिक मेडिकल स्टोर की स्थापना से मरीजों को आवश्यक दवाइयां आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी तथा उनके उपचार व्यय में भी कमी आएगी।

कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के जिला सचिव केशर सिंह असवाल, चेयरमैन गणेश कुकशाल गणी, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मदन मोहन नौडियाल, दलवीर सिंह बिष्ट, दीपक खनसूली, फार्मासिस्ट सौरव पटवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मानसून को लेकर अलर्ट रहें अधिकारी, जनसुरक्षा में कोई कोताही न बरती जाए

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी सतर्कता और तत्परता बनाए रखें। उन्होंने नगर निगम को नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा डेंगू सहित अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

सोमवार को तहसील परिसर में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं, जल भराव, भूस्खलन, संक्रामक रोगों तथा जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विभागवार तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और आवश्यक सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संभावित आपदाओं से निपटने के लिए पहले से ही पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर निगम को सभी वार्डों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित फॉगिंग अभियान चलाने, नालियों की समयबद्ध सफाई कराने तथा सर्पदंश की घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों का तत्काल कटान कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को डेंगू, मलेरिया और सर्पदंश के उपचार से संबंधित दवाइयों, एंटी-वेनम इंजेक्शन तथा अन्य आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया। लोक निर्माण विभाग को प्रमुख एवं संपर्क मार्गों को गड्ढामुक्त रखने और वर्षा के दौरान यातायात सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग के भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने को कहा गया। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को किसी भी आपदा अथवा आपातकालीन स्थिति में आवश्यक खाद्यान्न और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को जर्जर विद्युत लाइनों एवं पोलों की मरम्मत कर निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने को कहा गया। बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम अधिकारियों के साथ दुर्गापुरी क्षेत्र में नाले का स्थलीय निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान नाले के ऊपर लगे स्लैब हटे हुए पाए जाने पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान खुले नाले दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं, इसलिए ऐसे स्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित किया जाए।

सड़क के पुनर्निर्माण की मांग, सैनिक कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी ने बताई समस्या

उपजिलाधिकारी को ज्ञापान देते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : तेलीपाड़ा स्थित सैनिक कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी ने कौड़िया से दिल्ली फार्म को जाने वाले मार्ग की बदहाली पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि शासन-प्रशासन को जल्द से जल्द मार्ग निर्माण करवाना चाहिए। कहा कि वर्षा के दौरान लगातार दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

सोमवार को क्षेत्रवासी तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि कौड़िया से ग्राम्य विकास विभाग कर्यालय तक नमामि गंगे योजना के तहत सीवरेज लाइन बिछाई गई थी। आरोप है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्ववत डामरीकरण नहीं किया गया। बाद में प्रशासन के निर्देशों के बावजूद सड़क पर डामर के स्थान पर सीमेंट की टाइलें बिछा दी गईं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्षा के दौरान सड़क कई स्थानों पर धंस गई है, जिससे पैदल चलना भी कठिन हो गया है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। उनका कहना है कि सीवरेज लाइन बिछाने से पहले सड़क पूरी तरह डामरयुक्त और सुचारु स्थिति में थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से इसकी हालत लगातार खराब बनी हुई है। ज्ञापन में जनहित को देखते हुए संबंधित सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने की मांग की गई, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। इस दौरान पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत, पार्षद सुभाष पांडे, सूरजभाल सिंह भंडारी सहित अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

NAME CHANGE / CORRECTION

I D/O MOHAN SINGH residing at GRAM BISHALD, PAURI GARHWAL, UTTARKHAND 246164, do hereby declare that in my 10th Class Certificate, my name is correctly recorded as Mahak. However, in my Aadhaar Card, it has been wrongly printed as Mahek. In future, I should be known and addressed by my correct name, Mahak, for all purposes.
(0555/21)

नवयुग पब्लिक स्कूल में आयुष बनें हेड बॉय और साक्षी हेड गर्ल

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नवयुग पब्लिक स्कूल, मोटाढाक में छात्र परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) के चुनाव लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संपन्न हुए। चुनाव में आयुष रावत को हेड बॉय और साक्षी नेगी को हेड गर्ल चुना गया।

मतदान से पूर्व सभी छात्र-मतदाताओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया तथा मताधिकार के महत्व पर आधारित प्रेरणादायी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसके बाद विद्यालय के सभागार में बनाए गए दो मतदान केंद्रों पर विद्यार्थियों ने निर्धारित समय के अनुसार कतारबद्ध होकर शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान प्रत्याशी भी विद्यार्थियों से समर्थन और मतदान की अपील करते नजर आए। चुनाव से पहले आयोजित वाद-विवाद (डिबेट) कार्यक्रम में सभी प्रत्याशियों ने अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न समस्याओं के समाधान, छात्र हितों की सुरक्षा तथा विद्यालय के समग्र विकास को लेकर अपने-अपने घोषणा-पत्र (मैनिफेस्टो) भी प्रस्तुत किए। मतगणना के बाद विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम नेगी ने आयुष रावत को हेड बॉय तथा साक्षी नेगी को हेड गर्ल पद पर विजयी घोषित किया। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद के चुनाव विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

धारी देवी पेयजल योजना के निर्माण कार्य ने पकड़ी रफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल : धारी देवी और कलियासौड़ क्षेत्र की 74.43 लाख रुपये की पेयजल योजना के निर्माण कार्य ने तेजी पकड़ दी है। विभाग के निर्देश पर ठेकेदार ने बीते सप्ताह मशीन साइट पर पहुंचाई और लगातार बारिश के बीच बोरिंग का कार्य शुरू कर दिया। सोमवार को बोरिंग का काम सफलता पूर्वक पूरा हो गया है।

जल संस्थान पौड़ी के अधीक्षण अभियंता प्रवीण सैनी ने बताया कि बोरिंग के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी मिला है जिससे योजना के सफल होने की उम्मीद और मजबूत हो गई है। अब जल्द ट्यूबवेल निर्माण और इसके बाद पेयजल टैंक का निर्माण कराया जाएगा।

रथयात्रा 16 जुलाई को

श्रीनगर गढ़वाल : इस्कॉन की ओर से श्रीनगर में पहली बार भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा का आयोजन 16 जुलाई को किया जाएगा। रथयात्रा का शुभारंभ सराफा धर्मशाला से होगा। इसके बाद रथ यात्रा गोला बाजार, गणेश बाजार, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग, गुरुद्वारा रोड, हनुमान मंदिर रोड और बांसवाड़ा होते हुए नगर भ्रमण करेगी। आयोजकों ने बताया कि श्रीनगर में पहली बार इस स्तर पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा रही है। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र सं0-B20240590 0330002522 दिनांक 22/10/2024 में मेरी पुत्री का नाम आरवी आर्य (AARAVI ARYA) भूलवश गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वैदेही आर्य (VAIDEHI ARYA) दर्ज है। अतः मेरी पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वैदेही आर्य (VAIDEHI ARYA) दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति निर्गत की जाय।

सन्दीप कुमार पुत्र श्री सतीश चन्द्र निवासी ग्राम घमण्डपुर, पो0ओ0 निम्बूचौड, तहसील कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0554/21)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा बिजनोर स्टेशन पर इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट, देहरादून स्टेशन पर बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल एवं योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन रेडियो टैक्सी बूथ के के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 31.7.2026 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

2412/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	125-DRM-MB-26-27 dt. 13.07.2026	126-DRM-MB-26-27 dt. 13.07.2026	127-DRM-MB-26-27 dt. 13.07.2026
Name of Work	ZONE 01-CH from BE-CH section (excluding BE) for staff qtrs and service building under ADEN/CH(2026-2027)	ZONE 02-CH from CH-MB, CH-HGJ, RJK-SHTS section (excluding ZRTI, CH & MB) for staff qtrs & service building under ADEN/CH (2026-2027)	ZONE 03-CH for staff quarters and service buildings in ZRTI/CH under ADEN/CH(2026-2027)
Tender Closing Date Time	07.08.2026	07.08.2026	07.08.2026
Advertised Value (Rs.)	1,59,99,998.88	99,99,996.02	89,99,999.77
Earnest Money (Rs.)	3,20,000.00	2,00,000.00	1,80,000.00
Tender Cost Rs	0.00	0.00	0.00
Bidding Start Date	24.07.2026	24.07.2026	24.07.2026
Period of Completion	12 Months	12 Months	12 Months

Tender No. 75-W/2/3/WA/Publication Dated : 13.07.2026 — 2410/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आस्था और पारदर्शिता पर सवाल

पहले अयोध्या में चंदा चोरी का पकरण और उसके बाद उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर से भी चढ़ावा चोरी में भारी गवन। उक्त दोनों घटनाओं में समानता यह है कि यह सीधे तर पर बड़े मंदिरों के काम करने क तरीके और करोड़ों हिंदुओं की आस्था से विश्वास घात है। बद्रीनाथ मंदिर के प्रकरण में अध्यक्ष के व्यक्तिक सहायक को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन सवाल फिर वही खड़ा होता है कि आखिर मंदिरों की व्यवस्थाएं किस प्रकार के लोगों के हाथों में चल रही है? देश–विदेश से आने वाले भक्त भगवान बद्री विशाल के चरणों में श्रद्धापूर्वक चढ़ावा अर्पित करते हैं। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दानराशि के प्रबंधन को लेकर शिकायतें सामने आईं, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए और संबंधित मामलों की पड़ताल शुरू हुई। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार, मंदिर प्रशासन और जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं तथा सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की समीक्षा की जा रही है।

धार्मिक स्थलों पर मिलने वाला चढ़ावा केवल धनराशि नहीं होता, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रतीक होता है। इसलिए उसके प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होना उतना ही जरूरी है, जितना कि निदोष लोगों को बिना प्रमाण दोषी ठहराने से बचना। जांच पूरी होने तक तथ्यों का धैर्यपूर्वक इंतजार करना भी समाज की जिम्मेदारी है। बद्रीनाथ धाम की प्रतिष्ठा सदियों पुरानी है। ऐसी घटनाएं यह संदेश देती हैं कि धार्मिक संस्थानों में आधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियमित लेखा परीक्षण और सार्वजनिक जवाबदेही को और मजबूत बनाया जाना चाहिए। इससे श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम होगी। आस्था की रक्षा केवल मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का दायित्व है। बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र तीर्थ की गरिमा बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है। यही श्रद्धालुओं के विश्वास का सम्मान और सनातन परंपरा की वास्तविक सेवा होगी।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

ई-20 को लेकर जन आंदोलन की तैयारी, एवरेज और गाड़ियां बर्बाद

सनत जैन

सरकार ने भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल को अनिवार्य कर दिया है। पिछले 1 महीने से इस पेट्रोल के कारण देशभर के सभी राज्यों से गाड़ी का एवरेज कम होने और गाड़ियों में तरह-तरह से खराबी की शिकायतें बड़े पैमाने पर आना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोगों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है। दो पहिया और चार पहिया ऐसे करोड़ों वाहन हैं जो ई-10 पेट्रोल के लिए भी तैयार नहीं हुए हैं। मामूली मिलावट का उतना असर नहीं होता था, जितना ई-20 का होना शुरू हो गया है। जिसके कारण अब लोगों का गुस्सा पेट्रोल पंपों और सड़कों पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। सरकार यह मानने के लिए तैयार नहीं है। ई-20 पेट्रोल से गाड़ी का एवरेज कम होता है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, कि उनके वाहन का एवरेज 5 से 8 किलोमीटर तक कम हो गया है। दो पहिया वाहनों का एवरेज कम होने से गरीब और मध्यम वर्ग को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल ज्यादा कीमत में खरीदना पड़ रहा है। सरकार ने जो 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया है, उसके बाद भी पेट्रोल की कीमत कम नहीं की है। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल और मिलावटी पेट्रोल भरवाने का कोई विकल्प पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया गया। ज्यादा पैसे चुकाने के बाद कम एवरेज मिलने और गाड़ियां खराब होने के कारण पेट्रोल उपभोक्ताओं का गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है।

सरकार उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सरकार के मंत्री उपभोक्ताओं के जले के ऊपर नमक छिड़क रहे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, वह वास्तविकता के विपरीत है। इसके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री खुलेआम यह कहते हुए नजर आते हैं कि ई-20 पेट्रोल ही लेना पड़ेगा और वह सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मिलेगा। इथेनॉल की मिलावट के बाद भी उस पेट्रोल के रेट कम नहीं किए जाएंगे। रही सही कसर जब पेट्रोल पंपों से मिलावटी पेट्रोल बिक ही रहा है तो पेट्रोल पंप वाले भी इस अफरा-तफरी में अपनी ओर से भी मिलावट करने लगे हैं। पेट्रोल पंपों में अब मिलावट की जांच कर पाना भी संभव नहीं रहा। सरकार के इस रूख के कारण पेट्रोल पंप संचालकों ने भी मनमानी शुरू कर दी है। गाड़ियों के शोरूम और मैकेनिकों के यहां बड़ी संख्या में गाड़ियां मरम्मत के लिए पहुंच रही हैं। फ्यूल सिस्टम चोख हो रहे हैं। गाड़ी की टंकी खराब हो रही है। गाड़ी झटके लेकर चल रही है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन शिकायतों का निराकरण करने के स्थान पर एक तरह से वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं को धमकाने में लगी हुई है। जिसके कारण अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में जन आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा होने के बाद भी यदि सरकार इस मामले में कोई उपयुक्त निर्णय नहीं ले रही है तो यह आश्चर्य करने वाला विषय है। इससे ऐसा लगता है कि इस सरकार को जनता के गुस्से और वोट की कोई चिंता नहीं है। सरकार को विश्वास है जनता कितनी भी नाराज हो जीत तो उसी की होनी है। यही आत्मविश्वास पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बयानों में दिख रहा है। अन्यथा वह उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने की दिशा में

कार्यवाही करते। मिलावटी पेट्रोल को सरकार जब स्वयं महंगी कीमत पर बेच रही है। शुद्ध पेट्रोल 167 से 170 रुपए लीटर में बेच रही है। इससे उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले कई वर्षों से जब कच्चे तेल का दाम कम था, पेट्रोलियम कंपनियों ने लाखों करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, इसका कोई भी लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। अब पेट्रोल और डीजल के नाम पर सरकार द्वारा इथेनॉल की मिलावट कर जो लूट की तैयारी की जा रही है उसकी आम जनता के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त निर्णय लेने की जरूरत है।

गोल्ड मेडल बनाम कड़ाही का हलवा: कब तक किचन से नपेगी महिलाओं की उड़ान?

निमिषा सिंह

बधाई हो भारत! बधाई हो कानपुर यूनिवर्सिटी की उन बयासी प्रतिशत मेडल लाने वाली बेटियों को, जिन्होंने अपनी मेधा, अपने संघर्ष और अपनी रातों की नींद एक करके अकादमिक दुनिया के सर्वोच्च शिखर को छुआ है। यह आंकड़ा केवल एक सामान्य संख्या या कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह उस बदलते भारत की एक गूंजती हुई हुंकार है जो सदियों की सामाजिक बेड़ियों और घरेलू चारदीवारी को मरोड़कर बाहर निकल रहा है। लेकिन ठहरिए! जरा अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी का जश्न मनाना बंद कीजिए। अपनी डिग्रियों को आलमारी के किसी अंधेरे कोने में बंद करिए, मेडल को गले से उतारिए और चुपचाप हाथ में पेन-कॉपी या लैपटॉप की जगह कलछी, कड़ाही और बेलन थाम लीजिए। क्योंकि देश के एक सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठीं आदर्श महिला ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि आपके इन तमाम गोल्ड मेडलों की औकात ससुराल के किचन में बनने वाले उस एक कटोरी सूजी के हलवे से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसे खाकर आपकी सास को आत्मिक संतुष्टि मिल सके और वे समाज के सामने आपको एक संस्कारी बहू होने का प्रामाणिक सर्टिफिकेट दे सकें।

यह बेहद विडंबनापूर्ण, निराशाजनक और लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरी तरह से शर्मसार करने वाला दृश्य है कि जब देश की बेटियां तमाम सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए अकादमिक क्षेत्र में बयासी प्रतिशत पदकों पर अपना एकछत्र कब्जा जमा रही हैं, तब उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को उनके इस सुनहरे, उज्ज्वल और गौरवमयी भविष्य में सिर्फ एक कच्चा-पक्का हलवा और सास की गालियां ही दिखाई दे रही हैं। महामहिम का दीक्षांत समारोह के उस पावन मंच से दिया गया यह बयान केवल एक सामान्य प्रशासनिक या औपचारिक भाषण नहीं है, बल्कि यह उस गहरी और सड़ी-गली पितृसत्तात्मक सोच का जीता-जागता और भयावह दस्तावेज है, जो महिलाओं की हर सफलता, उनकी हर अद्वितीय योग्यता और उनके पूरे अस्तित्व को हमेशा किचन की चौखट और घरेलू गुलामी के तराजू पर ही तौलती आई है।

एक राज्य की मुखिया और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति से यह उम्मीद थी कि वे उन मेधावी, ऊर्जावान और आकांक्षी लड़कियों को यह सिखाएंगी कि आने वाले समय में उन्हें कॉर्पोरेट जगत के शीशे की अदृश्य छतों को कैसे ध्वस्त करना है। उनसे उम्मीद थी कि वे उन्हें मुक्केबाजी, कराटे, आत्मरक्षा, खेल और प्रशासनिक दुनिया में पुरुषों के ऐतिहासिक एकाधिकार को चुनौती देने के लिए भीतर से प्रेरित करेंगी। वे मंच से दहाड़ कर कहेंगी कि लड़कियों, यह पूरी कायनात तुम्हारी है, अपने पंख फैलाओ और पूरी ताकत से आसमान में उड़ जाओ! लेकिन अफसोस, महामहिम ने उस ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह के मंच को किसी तीसरे दर्जे के सास-बहू वाले टीवी धारावाहिक का सेट समझ लिया। वे देश की भावी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, प्रोफेसरों और प्रशासनिक अधिकारियों को यह दकियानूसी ज्ञान बांटने लगीं कि चाहे तुम कलेक्टर बनो, प्रोफेसर बनो या देश की आईएएस ऑफिसर बनो, पहले एक एक्सपर्ट मां और बावर्ची बनो, क्योंकि ससुराल में तुम्हारा पहला और अंतिम इम्तिहान तो मोबाइल देखकर बनाए गए हलवे का ही होगा।

हम जैसी महिलाएं जो रोज धरातल पर पत्रकारिता कर रही हैं, जो सामाजिक एक्टिविज्म के जरिए हाशिए की, ग्रामीण और शोषित महिलाओं के बीच जाकर दिन-रात यह अलख जगा रही हैं कि किचन के बाहर भी एक बेहद आजाद, गरिमापूर्ण और मुकम्मल दुनिया सांस ले रही है, आपके इस एक गैर-जिम्मेदाराना बयान ने हमारी सालों की मेहनत और संघर्ष पर पानी फेरने का आत्मघाती काम किया है। मैडम, आपने लड़कियों को तो बड़े प्यार और अधिकार से समझा दिया कि वे रो-धोकर, अपमानित होकर और गालियां खाकर भी हलवा बनाना सीखें और चुपचाप ससुराल के हर अत्याचार को नियति मानकर सहें। लेकिन आपने उस पूरे हॉल में बैठे लड़कों, उनके अहंकारी पिताओं और भावी पतियों को यह क्यों नहीं सिखाया कि अगर तुम्हें हलवा खाना इतना ही पसंद है, तो रसोई में जाकर खुद अपने हाथों से उसे बनाना क्यों नहीं सीख लेते? पतियों को एक संवेदनशील इंसान बनने, एक सच्चा सहयात्री बनने और घरेलू ज़िम्मेदारियों को आधा-आधा बांटने की सीख क्यों नहीं दी गई? क्या पुरुषों को इस समाज में सिर्फ बैठकर हुक्म चलाने, दूसरों की थाली में नुक्स निकालने और गालियां देने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त है?

मैं अपने पत्रकारिता और सामाजिक जीवन के कड़वे अनुभवों से शुरू से एक बात पुरजोर तरीके से कहती आई हूँ, और आज की यह घटना मेरी उस वैचारिक समझ पर एक और पक्की और मुकम्मल मुहर लगाती है कि आज के आधुनिक दौर में पितृसत्तात्मक विचारों की असली संवाहक और रक्षक पुरुष नहीं, बल्कि खुद समाज के शीर्ष पर बैठीं कुछ रूढ़िवादी महिलाएं बन चुकी हैं। यह देखना और महसूस करना इस दौर की सबसे कड़वी और दुखद हकीकत है। जिस पुरुषवादी सामाजिक व्यवस्था ने सदियों से महिलाओं का दमन किया, उन्हें पढ़ने के अधिकारों से वंचित रखा, उन्हें चारदीवारी में कैद रखा, आज उसी दमनकारी व्यवस्था की पहरेदारी, वकालत और चौकीदारी करने के लिए समाज की शीर्ष पदों पर बैठी महिलाएं खुद आगे आ रही हैं। आनंदीबेन पटेल का यह बयान कोई समाज में इकलौती या नई घटना नहीं है।

अगर हम सत्ता के ऊंचे गलियारों में झांकें, तो हमें ऐसे आत्मघाती और महिला-विरोधी बयानों की एक लंबी और शर्मनाक फेहरिस्त दिखाई देगी। जब देश की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी संसद के भीतर खड़े होकर महिलाओं के सबसे बुनियादी जैविक और स्वास्थ्य अधिकारों को पूरी तरह से खारिज करते हुए पेड पीरियड लीव यानी मासिक धर्म की छुट्टी का पुरजोर विरोध करती हैं, तो वे भी इसी पितृसत्ता की एक मजबूत पहरेदार के रूप में खड़ी नजर आती हैं। जब पश्चिम बंगाल जैसी संवेदनशील राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी वीभत्स और जघन्य गैंगरेप को सरेआम एक सजाई हुई घटना या सिर्फ एक प्रेम प्रसंग का बिगड़ना कहकर पीड़ितों की प्रामाणिकता और उनके चरित्र पर ही सवाल उठा देती हैं, तो न्याय की अंतिम उम्मीद भी वहीं दम तोड़ देती है।

जब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा अपराधियों और बलात्कारियों पर नकेल कसने के बजाय आधुनिक लड़कियों को ही देर रात बाहर न निकलने की ढालू और कायरतापूर्ण नसीहतें देने लगती हैं, तब रक्षक ही भक्षक सा महसूस होने लगता है। और हम भारतीय समाज के मानस से उस घटना को कैसे भूल सकते हैं जब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने एक महिला पत्रकार की मर्डर मिस्ट्री पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि महिलाओं को इतनी देर रात अकेले बाहर निकलकर ज्यादा साहसी नहीं होना चाहिए।

ये तमाम राष्ट्रीय उदाहरण इस बात की चीख-चीख कर गवाही देते हैं कि जब महिलाएं ही अपने भीतर की ऐतिहासिक कंडीशनिंग से खुद को मुक्त नहीं कर पातीं और व्यवस्था के शीर्ष पर बैठकर दूसरी संघर्षशील महिलाओं के पैरों में समाज की बनाई पुरानी बेड़ियां डालने लगती हैं, तो पितृसत्ता को किसी पुरुष की लाठी या किसी सामाजिक सहारे की कोई जरूरत ही नहीं रह जाती। यही वह आत्मघाती सोच है, जिसके कारण समाज की अनगिनत बेटियां, चाहे कितनी भी बड़ी-बड़ी डिग्रियां ले लें, चाहे वे जज, डॉक्टर या कलेक्टर ही क्यों न बन जाएं, अंततः दहेज, घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना की भट्टी में चुपचाप झोंक दी जाती हैं। क्योंकि यह तथाकथित सभ्य समाज उन्हें पहले एक स्वतंत्र, तार्किक और संप्रभु इंसान के रूप में स्वीकार ही नहीं कर पाता; वह उन्हें हमेशा पुरुषों की एक सेवादार और अनुगामी के रूप में ही देखना चाहता है।

महामहिम और उनके जैसी संकीर्ण सोच रखने वाले इस पूरे समाज को हम आज साफ-साफ और कड़े शब्दों में यह चेता देना चाहती हैं कि महिलाएं कोई रोबोट, मशीन या कोई खिलौना नहीं हैं जिनका इस धरती पर अल्टीमेट गोल सिर्फ बच्चे पैदा करना, पुरुषों का वंश बढ़ाना और उनके लिए गोल रोटियां सेंकना है। हम एक स्वतंत्र, तार्किक, बौद्धिक और पूर्णतः संप्रभु इंसान हैं। हमारी शिक्षा, हमारी डिग्रियां और हमारी नौकरियां हमारी खुद की आर्थिक आजादी, हमारे स्वाभिमान और इस पूरे देश के विकास के लिए हैं, किसी के रूढ़िवादी घर को परेशानी-मुक्त रखने का गुलामी-पत्र नहीं।

कानपुर यूनिवर्सिटी और देश की हर एक यूनिवर्सिटी की उन तमाम जुझारू और मेधावी बेटियों को हमारा सीधा और स्पष्ट संदेश है कि अपने इन गोल्ड मेडल्स को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाओ। पढ़ना, लड़ना, हर गलत परंपरा पर तीखे सवाल करना और पुरुषों के समकक्ष खड़े होकर इस सड़ी-गली व्यवस्था को चुनौती देना ही तुम्हारा पहला और अंतिम दायित्व है। रही बात हलवे की, तो जिसे भी हलवा खाना होगा, वह अपनी भूख और पसंद के अनुसार खुद रसोई में जाएगा, गैस जलाएगा और बना लेगा। अब देश की आधी आबादी आपकी इस दकियानूसी, महिला-विरोधी और हलवा-मार्का सोच के पिंजरे में दोबारा बंद होने वाली नहीं है। हम बेखौफ उड़ना सीख चुकी हैं, और अब आसमान से नीचे हमें कुछ भी मंजूर नहीं।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और न्याय की संवेदना

कांतिलाल मांडोत

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

देश की सबसे बड़ी अदालत में मयार्दा भी सर्वोपरि और पीड़ित की पीड़ा को समझना भी उतना ही आवश्यक...

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं है, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की अंतिम आशा का केंद्र है। जब देश का कोई नागरिक हर स्तर पर न्याय की तलाश में असफल होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, तो उसके मन में यही विश्वास होता है कि यहां उसकी बात निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट की गरिमा, मयार्दा और प्रतिष्ठा पूरे न्यायिक तंत्र की आधारशिला मानी जाती है। अदालत की गरिमा बनाए रखना जितना न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों का दायित्व है, उतना ही वहां उपस्थित प्रत्येक अधिवक्ता, याचिकाकर्ता और नागरिक का भी कर्तव्य है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्यायालय का भी अधिकारी माना जाता है। उसकी वाणी, उसका आचरण और उसका व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी संयम बनाए रखें। असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। उस रेखा का सम्मान करना ही लोकतांत्रिक संस्कृति और न्यायिक परंपरा की पहचान है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने वकील की याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसके खिलाफ अवमानना की कठोर कार्रवाई नहीं की।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति संभवतः अत्यधिक तनाव और मानसिक दबाव में है तथा उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की मानवीय संवेदना को भी सामने लाता है। कानून केवल दंड देने का माध्यम नहीं है, बल्कि परिस्थितियों को समझने और न्याय के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखने की व्यवस्था भी है।

वास्तविकता यह है कि न्याय की तलाश में अदालत तक पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी पीड़ा, संघर्ष या अन्याय का बोझ लेकर आता है। वर्षों तक मुकदमे लड़ने, आर्थिक बोझ उठाने और बार-बार अदालतों के चक्कर लगाने के बाद जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता, तब कई लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह टूटन कभी-कभी हताशा और असंतुलित व्यवहार के रूप में सामने आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे व्यवहार को उचित ठहराया जाए, बल्कि यह समझना आवश्यक है कि उसके पीछे पीड़ा और निराशा का एक लंबा इतिहास भी हो सकता है। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता के साथ-साथ उसकी संवेदनशीलता भी है। यदि कोई व्यक्ति अदालत में अत्यधिक तनावग्रस्त दिखाई देता है, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार करते हुए उसकी मानसिक स्थिति को भी समझना चाहिए। न्याय केवल आदेश सुनाने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह विश्वास भी पैदा करता है कि अदालत ने व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता से सुनी और समझी। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

यह भी सच है कि न्याय में विलंब, लंबी कानूनी प्रक्रिया और बढ़ते मुकदमों का बोझ कई लोगों में निराशा पैदा करता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास आवश्यक हैं। जब लोगों को समय पर न्याय मिलेगा, तो निराशा और असंतोष की स्थितियां भी कम होंगी। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संतुलन बनाए रखना भी है।

इस घटना ने एक और संदेश दिया है कि न्यायालय की गरिमा बनाए रखने में सभी की समान जिम्मेदारी है। यदि अदालत में अनुशासन समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होगी और इसका नुकसान अंततः आम नागरिक को ही होगा। इसलिए चाहे वह वरिष्ठ अधिवक्ता हों, नए वकील हों या स्वयं पक्षकार, सभी को यह समझना होगा कि अदालत में शब्दों का चयन, व्यवहार की मयार्दा और कानून के प्रति सम्मान सर्वोपरि है।

दूसरी ओर न्यायपालिका की उदारता भी सराहनीय है। यदि अदालत चाहती तो अवमानना की कार्रवाई कर सकती थी, लेकिन उसने संयम दिखाया और कठोर दंड देने के बजाय मामले को वहीं समाप्त करना उचित समझा। यह निर्णय बताता है कि न्याय केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और करुणा का संतुलित स्वरूप है। हालांकि इस उदारता का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने का साहस करे। कानून का सम्मान हर परिस्थिति में अनिवार्य है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम आशा होती है। जब प्रशासन, व्यवस्था और अन्य संस्थाओं से निराश व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो उसके मन में उम्मीद की आखिरी किरण बची होती है। इसलिए अदालतों को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनके सामने खड़ा हर व्यक्ति केवल एक केस नंबर नहीं, बल्कि अपने जीवन की किसी गहरी समस्या से जूझता हुआ इंसान है। उसकी बात सुनते समय कानून के साथ मानवीय संवेदना भी बनी रहनी चाहिए।

इस घटना से देश को दो महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं। पहली, अदालत की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। न्यायालय में अपशब्द, आक्रोश और अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं। दूसरी, न्याय व्यवस्था को लोगों की पीड़ा, मानसिक तनाव और संघर्ष को भी समझना चाहिए, क्योंकि न्याय केवल निर्णय देने का नाम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने की प्रक्रिया है।

सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है और उसकी प्रतिष्ठा पूरे राष्ट्र की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। वहीं, अदालत की चौखट पर आने वाला हर व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए आवश्यक है कि एक ओर अधिवक्ता और पक्षकार अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, तो दूसरी ओर न्याय व्यवस्था भी हर पीड़ित की व्यथा को महसूस करते हुए कानून और संवेदना के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति है और यही लोकतंत्र की स्थायी पहचान भी।

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड में हैदराबाद के छात्र का शव मिला, 2 महीने से लापता था; पुलिस बोली- हत्या के सबूत नहीं

हेलसिंकी, एजेंसी। फिनलैंड में पिछले दो महीने से लापता हैदराबाद के 18 साल के छात्र का शव समुद्र से बरामद हुआ है। फिनलैंड पुलिस ने कहा है कि शुरुआती जांच में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं। परिवार ने भारत सरकार से उनका शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। छात्र की पहचान मणिदीप को रूप में हुई है, जो 2025 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए फिनलैंड गया था। 5 मई को वह ट्रेन से राजधानी हेलसिंकी पहुंचा और आखिरी बार एक मार्केट स्टोर में नजर आया। परिवार के मुताबिक, 5 मई को मणिदीप ने मां से आखिरी बार बात की थी। उसने बताया था कि वह एक बेकरी में हैं और जल्द घर लौटेगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं हो सका। मामले के बाद फिनलैंड की जांच एजेंसियों, हेलसिंकी पुलिस और कोस्ट गार्ड ने कई हफ्तों तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार 9 जुलाई को समुद्र से उनका शव बरामद हुआ।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्या: बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की। स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के बेटे ने टैक्स से बचने के लिए बदला नाम?

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार से जुड़ा एक और नया विवाद सामने आया है। नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू ने अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया है। लीक हुए डेटा के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे ने यह काम पिछले दो सालों के दौरान ही किया है। क्योंकि 2024 में टैक्स भरने के दौरान उन्होंने अपने जन्म वाले नाम का ही प्रयोग किया था। लेकिन 2026 में जब उन्होंने टैक्स फाइलिंग की, तो अपना नाम बदलकर 'योनातन हुन' कर लिया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू परिवार टैक्स और भ्रष्टाचार के मामलों में फंसा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े बेटे के इस कदम को भी शक की नजर से देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि 34 साल के एक्टिविस्ट और पीएम नेतन्याहू के बेटे ने किन वजहों से यह नाम बदला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने नाम में यह बदलाव रेगुलेटरी अपडेट उनके मौजूदा नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर के तहत किया गया है। इसमें उन्होंने अपना रेसिडेंशियल एड्रेस बस 'बाल्फोर 0' के नाम से दिया है। यह एड्रेस इजरायल के प्रधानमंत्री आवास की तरफ इशारा करता है। पिछले कई सालों से युद्ध में उलझे इजरायल के लोगों के बीच में प्रधानमंत्री के बेटे द्वारा नाम बदलने को लेकर काफी चर्चा है। लोग इस फैसले के पीछे के मकसद को लेकर बंटे हुए हैं। क्योंकि एक तरफ जहां युद्ध के लिए सभी रिजर्व सैनिकों को बुलाया जा चुका है, वहीं 34 वर्षीय योनातन हुन 2023 से फ्लोरिडा में रह रहे हैं। विदेश में रहने की वजह से इजरायल में उनकी कड़ी आलोचना भी हुई थी। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने युद्ध में लड़ने से बचने के लिए यह तरकीब अपनाई है, वहीं कई लोग इसे टैक्स से जोड़कर देख रहे हैं। इजरायल के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार ने भले ही बेटे के नाम बदलने को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी हो, लेकिन लोगों ने इसका मतलब निकालना शुरू कर दिया है।

ईरान का विध्वंसक पलटवार! कतर-श्व और बहरीन पर दागीं मिसाइलें; खाड़ी देशों में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब चरम पर पहुंच गया है और युद्ध की आग पूरे क्षेत्र में फैलती नजर आ रही है। रविवार सुबह ईरान ने अमेरिका के साथ जारी संघर्ष में एक बड़ा कदम उठाते हुए खाड़ी के प्रमुख देशों संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन और जॉर्डन पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हड़कंप मच गया है और कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिए हैं।

कतर और बहरीन में सायरन की गूंज : कतर की राजधानी दोहा में रविवार सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे वहां रहने वाले लोग दहशत में आ गए। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे देश के नागरिकों के मोबाइल फोन पर एक आपातकालीन सुरक्षा अलर्ट भेजा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा खतरे का स्तर वर्तमान में बहुत अधिक है, इसलिए सभी नागरिक और प्रवासी अपने घरों या सुरक्षित स्थानों के भीतर ही रहें। वहीं, बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी अपने क्षेत्रों में 'एयर रेड सायरन' चालू कर दिए हैं और लोगों से शांत रहते हुए नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

यूएई का एयर डिफेंस सिस्टम एक्शन में : ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी पूरी सैन्य ताकत झोंक दी है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक पुष्टि की है कि उनके एयर

डिफेंस सिस्टम ने देश के विभिन्न हिस्सों में ईरान की ओर से दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और आक्रामक ड्रोनों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि शहर में सुनी गई धमाकों की आवाजें वास्तव में ईरानी मिसाइलों को मार गिराने की कार्रवाई का परिणाम थीं।

'खून का बदला' : ईरान की यह कार्रवाई उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन और उनके जनाजे की रस्मों के तुरंत बाद शुरू हुई है। ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अमेरिका द्वारा किए गए हमलों का 'खून का बदला' लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने भी पहले ही चेतावनी दी थी कि वे अपनी जमीन पर हुए किसी भी हमले का पूरी ताकत से जवाब देंगे।

होर्मुज विवाद के बाद बढ़ी टेंशन

ईरान का यह पलटवार दरअसल अमेरिका द्वारा ईरानी शहरों बुशहर, बंदर अब्बास, सिरिक और चाबहार पर की गई बमबारी के जवाब में है। तनाव का मुख्य केंद्र 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुजट' है, जिसे रविवार से आईआरजीसी ने बंद कर दिया है। आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य आगे की सूचना मिलने तक बंद रहेगा। यह स्थिति तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरे क्षेत्र में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो जाता। अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा, करीब 140 ठिकानों को बनाया निशाना: अमेरिकी सेना : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को कहा कि उसने ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सेना के अनुसार, इन हमलों में करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने बताया कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने वाली जगहें, हथियार और गोला-बारूद रखने के ठिकाने, संचार उपकरण और अन्य स्थान शामिल थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से ईरान की उस क्षमता को कमजोर किया गया है, जिसके जरिये वह होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने रविवार सुबह इसके जवाब में बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाकर हमले किए।

हमले के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ाः यूकेएमटीओ : यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले का निशाना बने मालवाहक जहाज के चालक दल ने जहाज छोड़ दिया है और लाइफबोट में सवार हो गया है। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह जानकारी सैन्य अधिकारियों और जहाज की सुरक्षा टीम के अधिकारी से मिली है। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक, जहाज के चालक दल का एक सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और इंजन कक्ष को भारी नुकसान होने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख सका।

अरबों डॉलर का निवेश, फिर भी इंसानों की जगह नहीं ले सके रोबोट; ह्यूमनॉइड रोबोट का कारोबार तेजी से बढ़ा

हांगकांग/बीजिंग , एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन ने ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में उल्लेखनीय बढ़त बनाई है। चीन की कंपनियां दुनिया में सबसे अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रही हैं और सरकार इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। हालांकि, इन रोबोटों का तेजी से बढ़ता किराया कारोबार यह भी दिखा रहा है कि मौजूदा तकनीक अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है कि कारखानों, दफ्तरों या घरों में बड़े पैमाने पर इन्सानों की जगह ले सके। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में पिछले एक वर्ष के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट किराये पर उपलब्ध कराने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। प्रदर्शनी, व्यावसायिक आयोजनों, प्रचार अभियानों और विवाह प्रस्ताव जैसे विशेष कार्यक्रमों में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इन रोबोटों की मांग बढ़ी है। एक रोबोट का दैनिक किराया लगभग 3,000 से 3,500 युआन तक है और कई मामलों में इसके साथ प्रशिक्षित ऑपरेटर भी उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन में 1.53 लाख से अधिक रोबोट किराया कारोबार पंजीकृत हो चुके हैं। इन चुनौतियों के बावजूद चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को भविष्य की रणनीतिक तकनीक मान रही है। इस वर्ष सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वर्ष के अंत तक 100

से अधिक उच्च-मूल्य वाले व्यावहारिक क्षेत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है।बीजिंग का मानना है कि घटती कार्यशील आबादी और धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच रोबोट भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं। साथ ही चीन इस क्षेत्र में अमेरिका, जापान और यूरोप पर तकनीकी बढ़त हासिल करना चाहता है। बाजार अनुसंधान संस्थानों के अनुसार दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माण में चीन सबसे आगे निकल चुका है। देश में 140 से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग और मजबूत विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला का लाभ मिलने से चीनी कंपनियां उत्पादन लागत तेजी से कम करने में सफल रही हैं। निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया में लगभग एक अरब ह्यूमनॉइड रोबोट उपयोग में हो सकते हैं।

स्पेन के जंगलों में भीषण आग: 12 की मौत, 23 लापता, हजारों हेक्टेयर राख

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के अल्मेरिया प्रांत में भीषण जंगल की आग ने विदेशी नागरिकों की बस्ती को तबाह कर दिया. हादसे में 12 लोगों की मौत, 23 लोग लापता और 8 घायल हुए हैं. आग अब तक 3,200 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र जला चुकी है. यूरोप में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और सूखे ने वाइल्डफायर का खतरा बढ़ा दिया है.

स्पेन के दक्षिणी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग ने भारी तबाही मचाई है. आग की चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग अब भी लापता हैं. मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. यह हाल के वर्षों में स्पेन की सबसे घातक जंगल की आग में से एक मानी जा रही है. यह आग गुरुवार देर रात अल्मेरिया प्रांत में सिएरा डे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक दूरदराज इलाके में लगी, जहां बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक रहते हैं. उस समय पूरे स्पेन में भीषण गर्मी पड़ रही थी और सूखे की वजह से हालात पहले से ही खराब थे. ज्यादातर लोगों की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने अधिकारियों की घर के अंदर सुरक्षित रहने की सलाह नहीं मानी. कई लोग अपनी कारों से भागने लगे, जबकि कुछ पैदल निकल पड़े. कुछ लोग सूखी नदी के रास्ते भागे, लेकिन वह रास्ता उनके लिए मौत का जाल साबित हुआ. अधिकारियों के मुताबिक, चार मृतकों के ब्रिटिश नागरिक होने की आशंका है क्योंकि उनकी जली हुई कार में दाईं ओर स्टीयरिंग था, जैसा ब्रिटेन की गाड़ियों में होता है.

सात लोगों की मौत कार छोड़कर पैदल भागने के दौरान हुई. आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है. करीब 150 दमकलकर्मी और स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट के 220 जवान आग बुझाने में जुटे थे. अब तक आग 3,200 हेक्टेयर (करीब 7,900 एकड़) जंगल और खेती की जमीन को जला चुकी है. इलाके की ऊबड़-खाबड़, सूखी जमीन, झाड़ियां, सूखी घास और तेज हवाएं आग बुझाने में सबसे बड़ी चुनौती बन रही हैं. लगातार पड़ रही हीटवेव ने पूरे इलाके को बारूद की तरह ज्वलनशील बना दिया है।

चीन पर 'बावी' का कहर... 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी

बीजिंग, एजेंसी। प्रकृति के प्रकोप से जूझ रहे चीन में शनिवार रात एक और बड़ी आपदा ने दस्तक दी। शक्तिशाली तूफान 'बावी' शनिवार रात करीब 11:20 बजे पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह इस साल का नौवां तूफान है, जिसने काउंटी स्तर के शहर युहुआन में लैंडफॉल किया।

जिस समय यह तूफान तट से टकराया, उस वक्त हवाओं की अधिकतम रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड (करीब 144 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

20 लाख लोगों का ऐतिहासिक रेस्क्यू : ऑपरेशन तूफान की गंभीरता और इससे होने वाले संभावित जान-माल के नुकसान को देखते हुए चीनी प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत

एवं बचाव कार्य शुरू किए हैं। चीन के पूर्वी हिस्से से अब तक लगभग 20 लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया है। आपातकालीन स्थिति को देखते हुए राजधानी बीजिंग समेत देश के कई बड़े शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और राहत दलों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रणाली चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी चार स्तरीय चेतावनी प्रणाली में सबसे उच्च स्तर का 'रेड अलर्ट' भारी बारिश के लिए जारी किया है। इसके साथ ही, तूफान के खतरे को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' भी लागू किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 24 घंटों में झेजियांग, उत्तरी फुजियान, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी और दक्षिणी अनहुई सहित देश के एक बड़े हिस्से में अत्यधिक मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं, बीजिंग और हेबेई के कुछ हिस्सों में भी भारी जलजमाव और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन में तबाही मचाने से पहले इस तूफान ने पड़ोसी क्षेत्रों में भी काफी नुकसान पहुंचाया है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, शनिवार को जब 'बावी' ताइवान के उत्तर से गुजरा, तब वहां 113 लोग घायल हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से ताइवान के ज्यादातर इलाकों में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए और करीब 14,200 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया। वहीं, जापान के ओकिनावा प्रांत में ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है और पूरे इलाके में 200 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से तटीय क्षेत्रों से दूर रहने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश से नदियों के जलस्तर में वृद्धि और पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा भी बढ़ गया है।

4000 जवान और रेंजर्स की 7 विंग; पीओके में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में आसिम मुनीर?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 15 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शनों और लॉन्ग मार्च से पहले वहां की स्थानीय कठपुतली सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले प्रदर्शन और अशांति को दबाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने पाकिस्तान की सरकार से हजारों अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। सीएनएन-न्यूज 18 ने एक गोपनीय आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से कहा है कि वहां के गृह विभाग ने इस्लामाबाद से 4,000 जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स की सात विंग्स की तत्काल तैनाती की गुहार लगाई है। यह आपातकालीन कदम हाल के हफ्तों में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर और सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद भड़के भयंकर जन आक्रोश की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को 8 जुलाई को भेजा गया यह पत्र बेहद संवेदनशील है, जिस पर अति आवश्यक और गोपनीय लिखा गया है। यह आदेश साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान समर्थित स्थानीय प्रशासन जेएएसी द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन से बुरी तरह घबराया हुआ है। प्रशासन ने समिति पर लंबे मार्च, विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने का आरोप लगाया है। सरकार का दावा है कि इस आंदोलन के कारण पूरे क्षेत्र में एक अस्थिर सुरक्षा संकट पैदा हो गया है, जिससे निपटना अब स्थानीय सुरक्षा तंत्र के बस की बात नहीं रहा।

आधे जवानों के पास होंगे हथियार, आधे के पास दंगा-रोधी गियर : गोपनीय दस्तावेज के अनुसार मांगी गई यह अतिरिक्त फोर्स पीओके में पहले से ही तैनात भारी सुरक्षा बलों के अलावा होगी। दस्तावेज में साफ लिखा गया है कि इन सैनिकों की जरूरत प्रदर्शनों के खतरे को बेअसर करने, प्रशासन के इकबाल को बनाए रखने और थके हुए सुरक्षा अमले को मदद देने के लिए है। प्रशासन ने मांग की है कि आने वाले सुरक्षाकर्मियों में से 50 प्रतिशत पूरी तरह से आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद से लैस होने चाहिए, जबकि शेष 50 प्रतिशत को दंगा-रोधी गियर दिया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि दंगा-रोधी उपकरणों की कोई कमी हो तो उसे बल की तैनाती से पहले पाकिस्तान के केंद्रीय स्टॉक से पूरा किया जाए। पीओके प्रशासन ने इस पूरी अशांति के लिए सीधे तौर पर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। सरकार का आरोप है कि पुंछ और रावलकोट में लगातार धरने दिए जा रहे हैं और पड़ोसी जिलों में रैलियां आयोजित कर लोगों को भड़काया जा रहा है। प्रशासन ने यह सनसनीखेज दावा भी किया है कि प्रतिबंधित समूहों से जुड़े सशस्त्र लोग मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजनों में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन; 3 दिन में 3 आत्मदाह:बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था 2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से। बालेन शाह का प्रभाव केवल प्रशासन तक सीमित नहीं रहा। पिछले साल सितंबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान उनके गाने युवाओं के बीच गूंजते रहे। इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत हुई थी और इसके पीछे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और धीमी अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा था। 5 मार्च को हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की, जिससे नेपाल की पारंपरिक राजनीति को बड़ा झटका लगा। बालेन शाह ने झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को हराकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की। 35 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद संभालते ही वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं।

वेनेजुएला भूकंप मामले में 4,333 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा, राहत कार्य के लिए लगभग 30 हजार लोग आए सामने

काराकास, एजेंसी। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप के झटकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,333 हो गई है। वहीं, राहत कार्य में मदद करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि 16,740 लोग घायल हुए हैं और 6,462 लोगों को बचाया गया है। अधिकारियों ने 18,000 से ज्यादा लोगों के लिए 94 अस्थायी कैंप बनाए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि आपदा के मुश्किल समय में पीड़ितों की मदद के लिए लगभग 30,000 स्वयंसेवक सामने आए और सरकार ने उन्हें घर बनाने और रिपेयरिंग के कामों में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है।

रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन लोगों को घर देने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है जिन्होंने अपने घर हमेशा के लिए खो दिए हैं और जिन घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है, उन्हें ठीक करने की जरूरत है। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल-फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल असेंबली रेंटल लॉ में सुधार करने और भूकंप से प्रभावित परिवारों को घर खरीदने में मदद

करने के लिए क्रेडिट और सब्सिडी सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ेगी। अमेरिका और दूसरे देशों के आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से विदेश में जमा वेनेजुएला के फंड के बारे में, रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अलग-अलग सरकारों को चिट्ठी भेजकर उन एसेट्स को रिलीज करने की अपील की है। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी कराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है। रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।'

रोड्रिग्ज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।

क्या प्याज बालों का झड़ना रोक सकता है? जानिए इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका

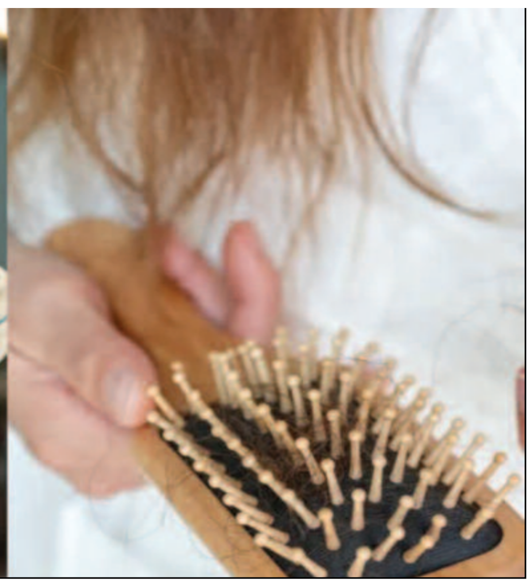

बाल झड़ने की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है. आपको बता दें कि बाल झड़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इन कारणों में हार्मोनल असंतुलन, तनाव, प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट और बालों पर केमिकल वाले उत्पादों का इस्तेमाल शामिल हैं. बालों को झड़ने से रोकने के लिए लोग कई तरह के उपचार करवाते हैं, जिनके विपरीत प्रभाव भी हो सकते हैं. इसलिए बालों को झड़ने से रोकने के लिए घरेलू उपाय ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं. इन घरेलू उपायों में प्याज का तेल भी शामिल है. इसे घर पर बनाना भी आसान है...

प्याज का तेल बालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का तेल एक ऐसा तेल है जो बालों को झड़ने से रोकता है. प्याज से बना तेल बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और बालों को झड़ने से रोकता है.

प्याज का तेल बनाने के लिए सामग्री

3 प्याज

1/2 कप नारियल तेल

प्याज का तेल कैसे तैयार करें?

एक बर्तन में नारियल का तेल डालकर गैस पर रखें, फिर इसमें कटे हुए प्याज के टुकड़े डालकर तेल को 20 मिनट तक उबालें. इसके बाद गैस बंद कर दें. जब तेल अच्छे से ठंडा हो जाए तो इसे कांच के जार में डालकर इस्तेमाल करें.

का उपयोग कैसे करें?

तैयार तेल को स्कैल्प से लेकर बालों के सिरे तक अच्छी तरह से लगाएं. इसे अपने सिर पर 1 घंटे या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर नहा लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होगा और रूसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा.

प्याज के तेल के उपयोग के लाभ

प्याज सल्फर का एक अच्छा स्रोत है. यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन है.

प्याज में एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं. यह स्कैल्प पर होने वाले हर तरह के संक्रमण को रोकता है.

प्याज का तेल रूसी को रोकने और रूसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है.

प्याज का तेल रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है.

प्याज के तेल का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों का झड़ना रोकता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पर प्रकाशित परिणाम क्या कहते हैं कि एलियम सेपा, जिसे आम तौर पर प्याज के रूप में जाना जाता है, लिलियासी परिवार से संबंधित है. प्राचीन काल से, इसका उपयोग पारंपरिक रूप से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है. प्याज के अर्क में लिवर हेक्सोकाइनेज, ग्लूकोज 6-फॉस्फेट और एचएमजी कोएंजाइम-ए रिडक्टेस की गतिविधियों को सामान्य करके हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव भी पाए गए हैं. शोध के अनुसार, प्याज का अर्क पीने से ब्लड शुगर को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके साथ ही प्याज में सल्फर भरपूर मात्रा में होता है, जो एक महत्वपूर्ण खनिज है जो बालों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. सल्फर अमीनो एसिड में पाया जाता है, जो केराटिन सहित प्रोटीन के निर्माण खंड हैं. केराटिन बालों का एक प्रमुख घटक है, और हाई सल्फर सामग्री बालों की मजबूती और लोच को बढ़ाती है.

किचन में भूलकर भी न रखें ये 2 बर्तन उल्टे, घर से भाग जाएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में वास्तु का विशेष महत्व है. घर के किचन के लिए भी वास्तु अनिवार्य है. किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसमें अन्नपूर्णा का वास भी होता है. इसमें लक्ष्मी का भी वास होता है. इसलिए अगर आप घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं तो किचन से जुड़े वास्तु नियमों का पालन जरूर करें. इनकी अनदेखी करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. नतीजतन घर को नकारात्मक प्रभावों का भी सामना करना पड़ सकता है, ऐसा वास्तु ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है.

आमतौर पर लोग किचन में बर्तन धोने के बाद उन्हें उल्टा करके रख देते हैं. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में कभी भी दो बर्तन को उल्टे नहीं रखने चाहिए, इसमें कड़ाही और तवा शामिल है. जी हां! वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में कभी भी कड़ाही और तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए. ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है.

जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिसका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना बनाने के बाद किचन में बर्तनों को धोना और उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है. नियमों का पालन करने से परिवार के सदस्यों के घर में समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि तवा उल्टा रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और अक्सर घर में झगड़े होते रहते हैं. इसके साथ ही कहा जाता है कि घर में दरिद्रता बढ़ती है. इससे आर्थिक स्थिति भी खराब होने लगती है. कहा जाता है कि तवा उल्टा रखने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. इससे घर की खुशियां खत्म हो जाती हैं. पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि किसी भी हालत में तवा उल्टा नहीं रखना चाहिए. जब ??भी तवा धोएं तो उसे सीधा ही रखें. इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि गंदे बर्तन रातभर किचन में नहीं रखने चाहिए.

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सदैव खुशियां, सेहत और पैसे की कमी ना रहे. लेकिन कई बार हम भूल से कई छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से घर में खुशियां और धन-दौलत लंबे वक्त तक नहीं टिक पाती. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूरे घर में शांति और जीवंतता बनाए रखने के लिए किचन में साफ-सफाई बेहद जरूरी है. यह सिर्फ खाने की जगह नहीं है. यह वह स्थान है जहां मां गृहलक्ष्मी का वास होता है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि हल्दी, नमक, पानी का बर्तन, चावल, चीनी और घी ऐसी चीजें हैं जो हमेशा किचन में मौजूद होनी चाहिए. अगर ये पूरी तरह खत्म हो जाएं तो उस घर में आर्थिक तंगी, हेल्थ रिलेटेड परेशानियां और पारिवारिक कलह की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए किचन में कुछ चीजों को संभालकर रखना चाहिए ताकि ये कभी पूरी तरह खत्म न हों.

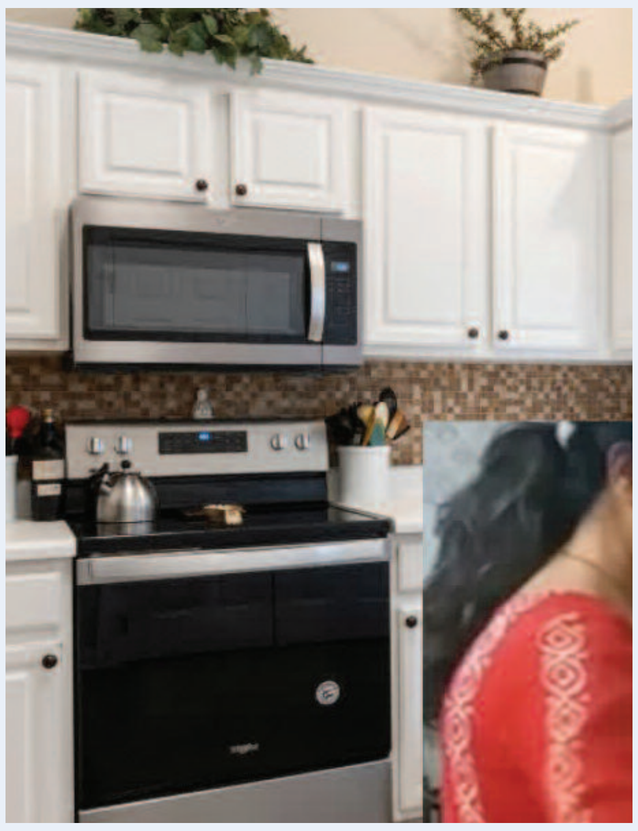

बरसात के मौसम में इन फलों का जरूर करें सेवन, बीमारियों से रहेंगे दूर और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

बारिश का मौसम शुरू हो गया है. हालांकि इस दौरान मौसम सुहावना होता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. मानसून के दौरान वायरल इंफेक्शन, एलर्जी, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी कई मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. हवा में नमी भी काफी होती है, जिसका असर पाचन क्रिया पर पड़ता है.

मानसून के दौरान इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है. चाहे कितनी भी सावधानी बरती जाए, संक्रामक रोग फिर भी हो ही जाते हैं. सर्दी-खांसी से लेकर डेंगू बुखार, मलेरिया, टाइफाइड और मच्छरों से होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं मानसून के दौरान बढ़ जाती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ फल खाने से मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके अलावा, कुछ फल संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

मानसून के मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना सबसे जरूरी है. ऐसे में पाचन और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कहा जाता है कि मानसून के दौरान इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है. शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कुछ फलों का सेवन जरूरी है. इन फलों को खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है. साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनता है.

इन फलों का जरूर करें सेवन

अमरूद : बरसात के दिनों में अमरूद खाना अच्छा होता है. अमरूद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है अमरूद में विटामिन सी, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जो पाचन के लिए अच्छा होता है यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है.

अनार : अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. इसे खाने से शरीर में खून की कमी दूर होती है. इसमें विटामिन बी और फोलेट भी भरपूर मात्रा में होता है. अगर आप मानसून में इस फल को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह रेड ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ाने में फायदेमंद होता है. लेकिन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए.

सेब : सेब विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. सेब के नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और एनर्जी भी मिलती है. मानसून में सेब खाने से वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम होता है. सेब में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फायदेमंद होते हैं. इनमें पाया जाने वाला फाइबर कब्ज और वजन घटाने के लिए अच्छा माना जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि सेब के नियमित सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है.

पपीता : पपीता भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. मानसून में पपीता जरूर खाना चाहिए. पपीते में पपेन एंजाइम होता है. जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है. साथ ही इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. साथ ही इसमें विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होता है. साथ ही पपीते के पत्तों का जूस डेंगू बुखार में उपयोगी होता है. पपीते के पत्तों का जूस पीने से प्लेटलेट्स बढ़ती हैं. साथ ही यह सिरदर्द, थकान जैसी समस्याओं को भी दूर करता है.

नाशपाती : नाशपाती विटामिन सी से भरपूर होती है. यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. मानसून में इसे खाना जरूरी है. यह पाचन के लिए भी जरूरी है. यह एक सुपरफूड है. कब्ज से परेशान लोग अगर नाशपाती खाएं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए बहुत अच्छा होता है. इसके नियमित सेवन से मल को नरम करने में मदद मिलती है. नाशपाती कॉपर और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है. जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. जर्नल मॉलिक्यूल्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड सूजन को कम करने और टाइप 2 और स्ट्रोक के रिस्क को कम करने में मदद कर सकते हैं.

जनता मिलन में डीएम ने सुनी शिकायतें, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए 14 नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वार्ड संख्या-9, नगर पालिका परिषद गोपेश्वर के निवासियों ने लॉ कॉलेज मुख्य गेट से बहने वाले नाले की मरम्मत की मांग उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग,

अधिशासी अभियंता जल संस्थान, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ज्योतिर्मठ निवासी राजेंद्र लाल की ग्राम गणाई में भू-धंसाव एवं संभावित विस्थापन की समस्या पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ को मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण निर्माण विभाग को एसआरएफ मद के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। नंदप्रयाग निवासी जय सिंह ने जैंती-भटकोटी मोटर मार्ग निर्माण से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी कर्णप्रयाग को ह्यमेरा गांव-मेरी सड़कह्न योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण की संभावनाओं का परीक्षण करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विपिन फरस्वाण ने दो अनाथ बच्चों की शिक्षा एवं भरण-पोषण के लिए सहायता उपलब्ध कराने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी को समन्वय बनाकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चों को शिक्षा एवं अन्य शासकीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बोंगा–भैलूड़ा मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य लटका

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के समीप बोंगा–भैलूड़ा मोटरमार्ग पर आवाजाही करना मुश्किल हो गया है। कार्यदायी संस्था पीएमजीएसवाई की ओर से सड़क चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य शुरू किया गया था लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क का काम लंबे समय से बंद पड़ा है। इससे सड़क की स्थिति और खराब हो गई है।

लदाड़ी से बोंगा–भैलूड़ा तक करीब पांच किमी लंबे मोटर मार्ग के चौड़ीकरण और डामरीकरण के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग चार करोड़ की लागत से कार्य प्रस्तावित है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था ने सड़क निर्माण का काम शुरू तो किया लेकिन लंबे समय से कार्य बंद पड़ा है।

टीएचडीसी के स्थापना दिवस पर रही कार्यक्रमों की धूम

नई टिहरी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का 39वां स्थापना दिवस भागीरथीपुरम और कोटेश्वर परियोजना में हर्षोल्लास से मनाया गया। ध्वजारोहण, गार्ड ऑफ ऑनर और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच अधिकारियों, कर्मचारियों और सीआईएसएफ के जवानों ने प्रतिभाग किया।बहुउद्देशीय भवन परिसर में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) आरआर सेमवाल ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोकगायक शशांक घिल्डियाल और महिमा उनियाल ने गढ़वाली लोकगीतों की प्रस्तुति दी। गढ़वाली हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। उधर, कोटेश्वर परियोजना में भी टीएचडीसी का 39वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर महाप्रबंधक (ओएंडएम) दिनेश चौहान ने किया। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सिपन कुमार गर्ग ने ऋषिकेश से लाइव प्रसारण के माध्यम से सभी परियोजना इकाइयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय) विजय सहगल, महाप्रबंधक (पीएसपी) एसके. साहू, अपर महाप्रबंधक (ओएमएम) भगत सिंह, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) एपी बाजपेई, निधि बाजपेई, कविता श्रीस्वाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मोरी में लगा जन सेवा शिविर, राहत सहायता के चेक भी बांटे गए

पुरोला। सेवा पखवाड़ा के तहत सोमवार को विकासखंड मोरी में जन सेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया गया। शिविर में प्राप्त 13 शिकायतों में से आठ का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में विधायक दुर्गेश्वर लाल और उपजिलाधिकारी मुकेश चंद रमोला ने लोगों की समस्याएं सुनीं। शिविर में भूमि पर अवैध कब्जा, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण भुगतान, बिजली बिल और जल जीवन मिशन से जुड़े मामले शामिल रहे। पशुपालन विभाग ने फिताड़ी अग्निकांड से प्रभावित 8 परिवारों को 30–30 हजार रुपये के राहत सहायता चेक वितरित किए। वहीं स्वास्थ्य, आयुष, कृषि, उद्यान, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, एनआरएलएम, पंचायतीराज, बैंकिंग सहित विभिन्न विभागों ने कुल 365 लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया तथा विभागीय जानकारी उपलब्ध कराई। शिविर में उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला, विकास खंड अधिकारी शशि भूषण बिंजोला, मोरी प्रमुख रणदेव राणा, कमलेश रावत, राजीव कुंवर, प्रेम चौहान आदि मौजूद रहे।

उत्तरकाशी से सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा का शुभारंभ

उत्तरकाशी। राज्य सरकार की ओर से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विशेष यात्रा के तहत सोमवार को उत्तरकाशी से श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना हुआ। विश्वनाथ चौक से जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान और विधायक सुरेश चौहान ने श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया। सभी यात्री शाम चार बजे विशेष ट्रेन के माध्यम से गुजरात के वेरावल स्थित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के लिए प्रस्थान करेंगे। रवानगी के दौरान विश्वनाथ चौक हर–हर महादेव, जय बाबा विश्वनाथ और जय बाबा सोमनाथ के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। राज्य सरकार की इस योजना के तहत उत्तराखंड के स्थायी निवासियों को पूरी तरह निशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें वातानुकूलित रेल यात्रा, भोजन, आवास और स्थानीय परिवहन की संपूर्ण व्यवस्था सरकार की ओर से की गई है। विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी उत्तरकाशी के श्रद्धालुओं को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन का यह अवसर राज्य सरकार की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। वहीं, जिला पंचायत अध्यक्ष ने इसे जनपद के लिए सौभाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार श्रद्धालुओं, विशेषकर बुजुर्गों की आस्था का सम्मान करते हुए उन्हें निशुल्क तीर्थयात्रा का अवसर दे रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह, परियोजना प्रबंधक रीप कपिल उपाध्याय मौजूद रहे।

घर से लापता नाबालिग को सकुशल ढूंढा

अल्मोड़ा। घर से लापता हुए एक नाबालिग बालक को पुलिस ने सकुशल ढूंढ लिया। उसे परिजनों को सौंप दिया है। 11 जुलाई की रात्रि डायल 112 पर सूचनाकर्ता गंगा ने सूचना दी कि उनका 14 वर्षीय भाई कक्षा आठ का छात्र है। वह घर से कहीं लापता हो गया है। सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा योगश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में चौकी एनटीडी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। पुलिस के प्रयासों से गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद कर उसके पिता आनंद राम के सुपुर्द किया गया।

गडस्यारी में तेंदुए की धमक से दहशत

रानीखेत (अल्मोड़ा)। विकास खंड ताड़ीखेत के ग्राम गडस्यारी व आसपास के गांवों में तेंदुए की धमक से ग्रामीणों में भय का माहौल है। एक ओर जंगली जानवरों के कारण खेती लगातार प्रभावित हो रही है, वहीं अब तेंदुए के हमलों से पशुपालकों की आजीविका पर भी संकट गहराने लगा है। सप्ताहभर में तेंदुए ने गांव के तीन पशुओं को अपना निवाला बना लिया है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुए ने चंदन सिंह की बकरी, त्रिलोक सिंह की गाय और चतुर सिंह के बैल को मार डाला। आबादी के नजदीक ही तेंदुए के मवेशियों पर हमला करने से लोगों में दहशत और बढ़ गई है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के बरेली, मुरादाबाद, लक्सर, & ऋषिकेश स्टेशन के क्लॉक रूम को 5 साल के लिए संचालन और रखरखाव हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक **27.07.2026 (टाइम 10:00 am)** को बोली आमंत्रित करने की जानी है। ई–नीलामी **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध है। **2397/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के बरेली स्टेशन पर "निर्गत पार्सल शेड के पास दोपहिया वाहनों की पैकिंग और अन्य पार्सल पैकिंग सेवा के लिए अनुबंध" 03 साल हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक **27.07.2026** टाइम **10:00 am** को बोली **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध है। **2394/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अधिकारी जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सोमवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में जनपद में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम एवं जन सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जर्जर भवनों के संबंध में की जा रही कार्रवाई की नियमित निगरानी की जाए तथा ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। सभी संबंधित अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

जिलाधिकारी ने कहा कि ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के उपरांत प्राप्त होने वाले सभी दावे एवं आपत्तियों का नियमानुसार, निष्पक्ष एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए पात्र मतदाताओं के हितों का संरक्षण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। सभी उपजिलाधिकारी नियमित रूप से प्रकरणों की समीक्षा करें और प्राप्त प्रत्येक दावा एवं आपत्ति का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में स्थित जर्जर एवं असुरक्षित भवनों के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे भवनों का सर्वेक्षण कर उनकी पहचान करने तथा नियमानुसार उन्हें ध्वस्त करने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन भवनों को निष्प्रयोज्य एवं असुरक्षित पाया गया है, उन्हें ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक तत्काल प्रभाव से सील किया जाए। साथ ही संबंधित स्थलों पर स्पष्ट एवं प्रमुख स्थान पर सूचना पट लगाया जाए, ताकि आमजन को भवन की असुरक्षित स्थिति की जानकारी मिल सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि की संभावना को रोका जा सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वरुणावत पर्वत को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

उत्तरकाशी। पाटा और संग्राली गांव के ग्रामीणों ने वरुणावत पर्वत क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक महत्व और हिमालयी चोटियों के मनमोहक दृश्य होने के बावजूद क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

ग्रामीण देवेंद्र चौहान, हंसराज चौहान, जसपाल चौहान, संदीप सेमवाल, शेखर नैथानी और शिव नैथानी ने बताया कि वरुणावत पर्वत के साथ कंडार देवता मंदिर, विमलेश्वर महादेव और शिखरेश्वर महादेव जैसे धार्मिक स्थल भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हैं। यहां से उच्च हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों का विहंगम दृश्य भी दिखाई देता है। उन्होंने ने मांग की कि क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय युवाओं को होमस्टे, गाइड, साहसिक पर्यटन और अन्य स्वरोजगार से जोड़ने की योजनाएं संचालित की जाएं।

खाई में गिरा ईंट–सीमेंट से लदा ट्रक, चालक बाल–बाल बचा

अल्मोड़ा। हल्द्वानी से बेरीनाग जा रहा ईंट–सीमेंट से लदा ट्रक शनिवार देर रात धौलछीना के निकट कलौन गांव के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं। कोई बड़ा हादसा होने से टल गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात ट्रक संख्या यूके 04सीसी 1386 हल्द्वानी से सामान लेकर बेरीनाग की ओर जा रहा था। कलौन गांव के पास अचानक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। ट्रक में उस समय चालक के अलावा कोई अन्य व्यक्ति सवार नहीं था। हादसे की सूचना मिलते ही धौलछीना पुलिस मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस टीम ने रेस्क्यू कर ट्रक चालक गणेश राम पुत्र श्री राम, निवासी डीडीहाट को बाहर निकाला और उपचार के लिए धौलछीना चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद चालक को छुट्टी दे दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में चालक को हल्की चोटें आई हैं। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। स्थानीय ग्रामीणों को रविवार सुबह हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

टीईटी से छूट और पुरानी पेंशन बहाली की मांग

दन्या (अल्मोड़ा)। उत्तराखंड राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर विकासखंड धौलादेवी ब्लॉक इकाई ने शिक्षकों की विभिन्न मांगों के लिए उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में शिक्षकों ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से मुक्त रखने की मांग की।

शिक्षकों का कहना है कि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को अब टीईटी के लिए बाध्य करना उचित नहीं है। उन्होंने टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग उठाई। इसके साथ ही शिक्षकों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की मांग भी प्रमुखता से रखी।

जिला सहित अन्य अस्पतालों में नहीं है बाल रोग विशेषज्ञ

उत्तरकाशी। जनपद के जिला अस्पताल में एक बाल रोग विशेषज्ञ के स्थानांतरण के बाद अब पूरे जनपद में एक भी डॉक्टर की तैनाती नहीं हो पाई है। जिला अस्पताल सहित मोरी, पुरोला, नौगांव, बड़कोट और चिन्यालीसौड़ अस्पताल में आठ बाल रोग विशेषज्ञों के पद सृजित हैं लेकिन अभी तक किसी भी पद पर नियुक्ति नहीं हो पाई है। जिला अस्पताल में तीन बाल रोग विशेषज्ञ के पद सृजित हैं। दो पदों पर वर्षों से डॉक्टरों की तैनाती नहीं हो पाई। वहीं एक बाल रोग विशेषज्ञ का स्थानांतरण होने के बाद अब तीनों पद खाली हो गए हैं। हालांकि शासन की ओर से कोटद्वार से एक डॉक्टर का स्थानांतरण जिला अस्पताल में किया गया लेकिन उनकी ओर से अभी तक ज्वाइन नहीं किया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार उनकी ज्वाइनिंग पर अभी संशय बना हुआ है। ऐसी स्थिति में जिला सहित महिला अस्पताल में बच्चों, किशोर व नवजात बच्चों के स्वास्थ्य जांच के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल के साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़, बड़कोट, मोरी सहित नौगांव और उप जिला चिकित्सालय पुरोला में बाल रोग विशेषज्ञों के पद सृजित है लेकिन वहां पर वर्षों से किसी डॉक्टर की तैनाती नहीं हो पाई है।

सोमनाथ भारत के अटूट विश्वास, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक : धामी

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर हर्रावाला से वेरावल के लिए विशेष रेल यात्रा का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रेलवे स्टेशन हर्रावाला, देहरादून से ''सोमनाथ स्वाभिमान पर्व'' के उपलक्ष्य में वेरावल (सोमनाथ) के लिए विशेष रेल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए इसे केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान, सांस्कृतिक चेतना और सनातन परंपराओं से जुड़ने का सशक्त माध्यम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि छः दिवसीय इस विशेष यात्रा में प्रदेश के विभिन्न वर्गों से लगभग 700 श्रद्धालु सहभागी बन रहे हैं। इनमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी माताएं-बहनें, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी, संत समाज तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने इस पहल के लिए संस्कृति विभाग की सराहना करते हुए सभी यात्रियों की मंगलमय, सुरक्षित एवं

सुखद यात्रा की कामना भगवान सोमनाथ और बाबा केदार से की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा भारत की हजारों वर्षों पुरानी सनातन परंपरा, गौरवशाली विरासत और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़ने का अवसर है। कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ मंदिर भारत की अटूट आस्था, अदम्य विश्वास और पुनरुत्थान का प्रतीक है। अनेक आक्रमणों और विध्वंस के बावजूद सोमनाथ ने पूरे विश्व को यह संदेश दिया है कि भारत हर चुनौती के बाद और अधिक शक्ति एवं संकल्प के साथ आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' राष्ट्रबोध और सांस्कृतिक गौरव का अनुभव कराने वाला विशेष अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसा उत्तराखंड बनाना है, जहां आधुनिक विकास और सनातन संस्कृति दोनों समान रूप से आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से यह संकल्प अवश्य साकार होगा। मुख्यमंत्री ने यात्रा पर जा रहे सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे जहां भी जाएं, देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति, संस्कार और 'अतिथि देवो भवः' की भावना का प्रतिनिधित्व करें। उन्होंने कहा कि सभी यात्री इस यात्रा के माध्यम से केवल सोमनाथ के दर्शन करने नहीं जा रहे हैं, बल्कि उत्तराखंड की आध्यात्मिक चेतना, समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के भी प्रतिनिधि हैं। उन्होंने सभी से अपने आचरण, व्यवहार और विचारों से राज्य की सकारात्मक पहचान को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक बृज भूषण गैरोला, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मरीज को लेने गई एंबुलेंस हुई खराब

गैरसैंण। विकासखंड के मटगढ़ गांव में मरीज को लेने जा रही एक एंबुलेंस रास्ते में ही खराब हो गई। अब तीन दिन से एंबुलेंस यहीं खड़ी है लेकिन इसे ठीक कराकर ले जाया नहीं गया। तीमारदार मरीज को निजी वाहन से अस्पताल लाए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि मरीज एम्स ऋषिकेश में भर्ती है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को मटगढ़ गांव के बुजुर्ग बचन सिंह (65) को अचानक पेट दर्द हुआ। परिजनों ने गैरसैंण से 108 एंबुलेंस को फोन किया। मात्र 19 किमी दूरी तय करने के बाद बीना और भुमक्या गांव के बीच एंबुलेंस खराब हो गई। जब मटगढ़ गांव के मरीज को लेने एंबुलेंस नहीं पहुंची तो मजबूरन परिजन मरीज को निजी वाहन से गैरसैंण

अस्पताल ले गए। बुजुर्ग के बेटे मोहन सिंह ने बताया कि पिता का एम्स ऋषिकेश में उपचार किया जा रहा है। वहीं सीएचसी के अधीक्षक डॉ. अर्जुन रावत ने कहा कि गैरसैंण वाली एंबुलेंस आए दिन खराब होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में बीना गांव के पास खड़ा है जिसे मरम्मत के बाद गैरसैंण लाया जाएगा। उन्होंने कहा इस खस्ताहाल वाहन की सूचना सीएमओ कार्यालय को दे चुके हैं।

मार्ग का मलबा गदेरे में डालने का विरोध, रोका काम

थराली। राड़ीगांव और केदारबगड़ के ग्रामीणों ने थराल–कुराड़–प्रार्था मोटर मार्ग का मलबा घांघली गदेरे में डालने का विरोध किया। सोमवार को यहां जेसीबी से मलबा डाला जा रहा था और ग्रामीणों ने काम रोक दिया। ग्रामीणों का कहना है कि गदेरे में मलबा डालने से राड़ीगांव में कटाव हो रहा है। इससे पूरी बस्ती खतरे में आ गई है। ग्रामीणों के अनुसार बीते वर्ष 22 अगस्त को भी घांघली गदेरे ने तबाही मचाई थी। तब भी उन्होंने मार्ग का मलबा गदेरे में डालने का विरोध किया था। सोमवार सुबह दस बजे लोनिवि जेसीबी लेकर यहां मलबा डालने पहुंचा तो ग्रामीण दिनेश पंत, जगदीश पंत, मदनमोहन और पुष्पा देवी सहित कई ग्रामीण सड़क पर आ गए। उन्होंने विभाग और प्रशासन के अधिकारियों की ओर से इसका निरीक्षण करने, गदेरे में सुरक्षा कार्य और उसके बाद ही सड़क खोलने की मांग की।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग

काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा– टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। ष्टस्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच–कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

- **ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे**

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

- **लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं**

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए – इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया – 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला – 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत – द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ – रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

- **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** – पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना–इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना – इंग्लैंड – अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन – फ्रांस – दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका – 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान – एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मुकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल – हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान – हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।